संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 54
पृष्ठ 8
मंगलवार
12 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– कोयले से बने चारकोल फेस...

विचार– फैशन बाजार की बयार...

खेल– कोच गंभीर बोले- रोहित के...

बिना चिंता कराइए उपचार, अस्पताल का पैसा देगी सरकार : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे से लोगों को भरोसा दिया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। सीएम योगी ने अफसरों को निर्देश दिया कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और उन्हें उपचार के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम विधानसभा उपचुनाव का प्रचार करने के बाद गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद सोमवार पूर्वाह्न झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। सीएम योगी ने मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक–एक कर समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए कहा। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका जल्द समाधान कराएं।

इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के समाधान में दोनों पक्षों को एक साथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी। इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन का इलाज मेदांता अस्पताल में कराने के लिए अपनी आर्थिक तंगी का जिक्र किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उससे कहा कि अस्पताल में भर्ती कराकर डॉक्टर से इस्टीमेट मंगवा लीजिए। परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, उपचार का पैसा सरकार देगी। मुख्यमंत्री ने सभी से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। सोमवार प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने किया 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' संवाद कार्यक्रम

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में पहले चरण के मतदान से पहले भाजपा के 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान के तहत बूथ कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद किया। इस दौरान पीएम ने कहा कि, चुनाव कोई भी हो कार्यकर्ता ही चुनाव लड़ते हैं। उन्होने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत ने झामुमो, कांग्रेस और राजद की नींद उड़ा दी है। पीएम मोदी ने कहा कि, हमारा उद्देश्य कुशासन से झारखंड को मुक्त करना है, इसमें कार्यकर्ताओं की भूमिका बहुत बड़ी है। जब भी झारखंड आया आपसे और महिला कार्यकर्ताओं से बात करने की मौका मिला। उन्होने कहा कि, उत्साह के साथ महिला कार्यकर्ता लोगो से जुड़ रही है। पीएम ने कहा कि, झारखंड की संपदा को लूटा जा रही है। पीएम ने कहा, झारखंड में असीम संभावनाएं हैं, हिंदुस्तान के कई प्रदेश के लोग रोजी–रोटी के लिए प्रदेश आते हैं। पीएम ने

कहा कि, हमारा नारा है 'सबका साथ– सबका विकास' और इसी नारे के साथ भाजपा झारखंड का भी विकास करेगी। झारखंड को अन्य राज्यों के विकास की श्रेणी में लाना है इसलिए डबल इंजन की सरकार लाना जरूरी है। झारखंड इस बार बदलाव करने के लिए संकल्पित। उन्होंने कहा कि, इंडी गठबंधन की सरकार ने रोटी–बेटी और माटी पर वार किया है। गठबंधन के वादे अधूरे रहे हैं, कांग्रेस जिस जिस राज्य में सत्ता में है वहां के लोगों को ऐसे ही ठगा है। पीएम मोदी ने कहा कि, झारखंड में सरकार बनने के बाद भाजपा ने जो वादे किया है उसे पूरा करने में की जान से जुट जाएगी। मतदान करने समय उत्साह के साथ जाए, उत्सव है मतदान भी बढ़ता है। उन्हेने अपील करते हुए कहा कि, पहले मतदान फिर जलपान। प्रदेश कार्यालय में संवाद कार्यक्रम को सुनते हुए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि पार्टी के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं में पीएम के संवाद से नई ऊर्जा का संचार हुआ है।कहा कि कार्यकर्ता झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनाने केलिए परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहे।

संविधान बदलने की झूठी कहानी का 'अंत' हो चुका है, महायुति गठबंधन जीतेगा : फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ संविधान बदलने की जो झूठी कहानियां गढ़ी थीं उनका 'अंत' हो चुका है और 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में इसकी कोई भूमिका नहीं होगी। फडणवीस ने दिन के समय नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद

संवाददाताओं से यह बात कही। उपमुख्यमंत्री ने आम चुनाव की तुलना में विधानसभा चुनाव के माहौल में अंतर के बारे में पूछे जाने पर कहा, "हमने लोकसभा चुनाव के दौरान (संविधान बदलने के लिए 400 से अधिक सीट जीताने के भाजपा के नारे) गढ़ी गयी झूठी कहानियों को पूरी तरह खत्म कर दिया है और जनता हमारे साथ खड़ी है।" भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से सिर्फ 17 पर ही जीत हासिल की थी। विपक्षी महाविकास अघाडी ने 30 सीट पर जीत हासिल की थी जबकि एक निर्दलीय (जो सांगली से जीता) भी उनके साथ है। फडणवीस ने कहा, "महायुति गठबंधन विधानसभा चुनाव में बहुमत से जीत हासिल करेगा।" नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र वर्ष 2009 में अस्तित्व में आया और तब से फडणवीस इस सीट से विधायक हैं।महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

केन्द्र ने अग्निशमन सेवाओं के लिए तीन राज्यों को 725 करोड़ रूपये दिये

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में अग्निशमन सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए 725 करोड़ रूपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने सोमवार को यहां " राज्यों में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण" योजना के तहत छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लिए 725.62 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी। गृह मंत्रालय के अनुसार समिति ने छत्तीसगढ़ के लिए 147.76 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 201. 10 करोड़ रुपये और पश्चिम बंगाल के लिए 376.76 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं। उच्च स्तरीय समिति में केन्द्रीय वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष सदस्य के रूप में शामिल होते हैं। गृह मंत्रालय ने देश में आपदाओं का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की है। देश में आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रणाली को मजबूत करके आपदाओं के दौरान जान–माल को होने वाले किसी भी बड़े नुकसान को रोकने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। केंद्र सरकार ने " राज्यों में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण" योजना के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि के तहत 5000 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं,

हमने साबित किया, सरकार न केवल स्कूल चला सकती है, बल्कि उन्हें शानदार भी बना सकती है : केजरीवाल

नयी दिल्ली आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद इस देश में पैदा होने वाले हर बच्चे को अच्छी से अच्छी शिक्षा मुहैया कराने के पक्षधर थे। उनका यह सपना देश की राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरा करने काम किया है। हमारी सरकार ने दिल्ली में यह साबित किया है कि सरकार न केवल सरकारी स्कूल चला सकती है, बल्कि उन्हें शानदार भी बना सकती है। इसका परिणाम यह है कि आज दिल्ली में संपन्न लोग भी प्राइवेट स्कूलों से अपने बच्चों को निकलकर उनका सरकारी स्कूलों में एडमिशन करा रहे हैं। देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की स्मृति में हर साल 11 नवंबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जहां पहले सरकारी स्कूलों की बात तक नहीं होती थी, आज वहां से गरीब परिवारों के बच्चे आईआईटी, जेईई और नीट जैसी परीक्षाएं पास कर रहे हैं, डॉक्टर, इंजीनियर, अफसर बन रहे हैं। और तो और अब लोग प्राइवेट स्कूल छोड़कर सरकारी स्कूलों में आ रहे हैं। दिल्ली में हमने साबित किया है कि सरकार न केवल स्कूल चला सकती है,

अश्लील वीडियो मामले में रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

नयी दिल्ली उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के दौरान अश्लील वीडियो लीक होने के बाद सामने आए कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित मामलों में निलंबित जनता दल–सेक्युलर (जद–एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने जमानत याचिका पर यह कहते हुए विचार करने से इनकार कर दिया कि रेवन्ना के खिलाफ गंभीर आरोप है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा,"आप (रेवन्ना) से बहुत शक्तिशाली हैं। पीठ के समक्ष वकील ने दलील दी थी कि हालांकि आरोप गंभीर हैं, लेकिन शिकायत में शुरू मेंभारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 के तहत बलात्कार के आरोपों का जिक्र नहीं है।

उपचुनाव: चंद्रशेखर ने की अब्दुल्ला आजम से मुलाकात, बोले-सड़क से संसद तक लड़ेंगे लड़ाई

हरदोई, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में चल रहे उपचुनाव के बीच नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद ने सोमवार को सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम से जिला जेल में मुलाकात की है। इसके बाद सियासी बाजार गर्म हो गया है। उनके साथ युसूफ मलिक, मनीष कुमार और जावेद खान भी मौजूद रहे। इस मौके पर चंद्रशेखर ने कहा कि

अब्दुल्ला आजम से मेरे कोई सियासी रिश्ते नहीं हैं। मैने छोटे भाई की हैसियत से उनसे मुलाकात की है। मैंने सोचा था वो जेल में होंगे, तो परेशान होंगे, लेकिन उन्होंने जिस ताजगी के साथ मुलाकात की, उससे पता लगता है कि वो बहादुर आदमी हैं। मैं मीडिया के माध्यम से कहना चाहता हूं सड़क से संसद तक इस लड़ाई को लड़ेंगे परिवार को अकेले नहीं छोड़ेंगे, यह मेरा परिवार है। उन्होंने सत्ता में बैठे लोगों पर आरोप लगाया कि वे सत्ता के अहंकार में उनके मित्र का दमन कर रहे हैं और तमाम लोग इस अन्याय का तमाशा देख रहे हैं। वह अब्दुल्ला की जान की सलामती के लिए दुआ करते हैं,

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना बने उच्चतम न्यायालय के 51वें मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में शीर्ष अदालत के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति खन्ना को 51वें मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। वह 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शीर्ष अदालत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के अलावा मौजूदा और पूर्व न्यायाधीश, कई केंद्रीय मंत्री और अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ रविवार 10 नवंबर को शीर्ष अदालत के 50 वें मुख्य न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने अक्टूबर में केंद्र सरकार को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति खन्ना को शीर्ष अदालत का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी। इसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद 24 अक्टूबर 2024 को केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने न्यायमूर्ति खन्ना के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने से संबंधित एक अधिसूचना जारी की। न्यायमूर्ति खन्ना 2018 की 'चुनावी बॉन्ड योजना' को रद्द करने वाली पांच सदस्यीय पीठ में शामिल थे। न्यायमूर्ति खन्ना को 18 जनवरी 2019 को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया था, तब वह दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। उन्हें 2005 में दिल्ली उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया और एक साल बाद उन्हें यहां स्थायी न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत किया गया था। न्यायमूर्ति खन्ना संविधान के अनुच्छेद 370 का प्रभाव जम्मू कश्मीर से हटाने और सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट (नई संसद भवन और इसके आसपास के क्षेत्रों का पुर्नविकास) हरी झंडी देने वाली पीठ सहित कई महत्वपूर्ण फैसलों के हिस्सा थे। उनकी अगुवाई वाली पीठ ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति मामले से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय के एक मामले में अंतरिम जमानत दी थी।

अशोक कुमार स्नेही सम्मान से अलंकृत हुई - प्रेमा राय और जया मोहन

प्रयागराज। स्नेही काव्य–मंच, प्रयागराज के तत्त्वावधान में दिनांक 11नवम्बर2024 को बड़ा डाकघर,सिविल लाइन्स में सम्मान–समरोह एवं कवि–गोष्ठी का आयोजन सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता डॉ० राम जी मिश्र ने की तथा मुख्य अतिथि डॉ०कल्पना वर्मा रही। संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया।माँ सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर ,अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ कवयित्री गीता सिंह ने माँ सरस्वती की वंदना से की। आयोजक मण्डल की ओर से श अशोक कुमार स्नेहीश स्मृति सम्मके अन्तर्गत वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमा राय एवं जया मोहन जी को प्रशस्ति–पत्र,अंगवस्त्रम एवं रुपया 2500 सौ देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह के बाद अध्यक्ष राम जी मिश्र ने कहा कि स्नेही जी काव्य–मंच पर शिष्टाचार के साथ हास्य की प्रतिमूर्ति थे। वह जब मंच से कविता पढ़ते थे तो कविता का शब्द–शब्द श्रोता के दिल में कुछ यूँ उतर जाता था कि वह कुछ दिन तक उसे गुनगुनाते रहते थे। कल्पना वर्मा ने कहा कि स्नेही जी के छन्द गीत भाव की भूमि पर उनके नहीं रहने पर भी उनकी उपस्थिति का भान कराती है। डॉ०प्रदीप चित्रांशी ने कहा कि उनके गीत बोलते हुए हैं।अयोजक अलका श्रीवास्तव ने उनके गीतों का काव्य पाठ कर,उनके विषय में विस्तार से बताया। सम्मान समारोह के बाद सरस गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी में शहर के नामचीन कवि डॉ० वीरेन्द्र कुमार तिवारी,गीता सिंह, डॉ०प्रदीप चित्रांशी,मोहनी,नन्दिनी एकाकी,ऋतु पाण्डेय, उमेश श्रीवास्तव ने किया ।कार्यक्रम के अन्त में संस्था के अध्यक्ष मनीष कुमार ने आभार व्यक्त किया।

आयोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी छात्रों पर लाठीचार्ज, भारी पैमाने पर पुलिस फोर्स तैनात

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक और आरओ–एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन कराने के विरोध में प्रतियोगी छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। आंदोलन की तैयारी के मद्देनजर जिला प्रशासन और आयोग प्रशासन में खलबली मच गई है। इसको देखते हुए सोमवार को सुबह से ही भारी फोर्स तैनात कर दी गई है। आयोग की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई है और पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। आयोग की तरफ बढ़ रहे प्रतियोगी छात्रों को पुलिस ने खदेड़ दिया। इससे छात्रों की भीड़ में भगदड़ मच गई। पूरे जिले की फोर्स को मौके पर बुला ली गई है। इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद पुलिस ने छात्रों के ऊपर बल प्रयोग करना पड़ा। छात्रों में भगदड़ मच गई। बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्राएं भी आंदोलन में पहुंची थीं। लाठीचार्ज के बाद छात्र तितर बितर हो गए। मौके पर पीएसी और पुलिस के साथ ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां बुला ली गई हैं। प्रतियोगी छात्र एक ही मांग पर अड़े हैं कि पीसीएस और आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में कराई जाए। एक्स पर 'हैशटैग यूपीपीएससी आरओध्एआरओ वनशिफ्ट' नाम से चलाए गए अभियान को 2.40 लाख अभ्यर्थियों ने अपना समर्थन दिया। हालांकि, इतने व्यापक विरोधा के बावजूद आयोग ने शाम को दोनों ही परीक्षाएं दो दिन कराए जाने का निर्णय ले लिया। इसके बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है। पीसीएस और आरओ–एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन कराने के यूपीपीएससी के फैसले के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू कर दिए हैं। वहीं आयोग दो दिन परीक्षा कराने पर अड़ गया है। परीक्षा प्रदेश के 44 जिलों में कराई जानी है। इसके लिए आयोग ने सभी जिलाधिकारियों की बैठक 21 नवंबर को बुलाई है, इसमें आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा व आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराने और नॉर्मलाइजेशन (मानकीकरण) की प्रक्रिया निरस्त किए जाने की मांग को लेकर प्रतियोगी छात्र आंदोलन कर रहे हैं। उनके ऊपर लाठीचार्ज भी किया गया। बावजूद इसके छात्र डंटे हुए हैं। प्रतियोगी छात्रों के धरने में यूपी समेत दिल्ली, एमपी, बिहार, उत्तराखंड व अन्य राज्यों से अभ्यर्थी शामिल हुए हैं। अभ्यर्थियों की ओर से घोषित धरना–प्रदर्शन के मद्देनजर आयोग परिसर के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। अभ्यर्थी किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने यूपीपीएससी के बाहर प्रतियोगी छात्रों के ऊपर हुए लाठीचार्ज का वीडियो एक्स पर पोस्ट करते हुए लाठीचार्ज की निंदा की है। लिखा कि भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं।

प्रतियोगी छात्र का स्लोगन वायरल, लिखा- हम संतोष पागल नाही हई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी छात्रों के प्रदर्शन करने का अंदाज और पोस्टर और बैनर पर लिखे स्लोगन सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते रहे। किसी न लिखा न बंटेंगे न हटेंगे, नार्मलाइजेशन–किस्मत 100 प्रतिशत, योग्यता जीरो प्रतिशत, कुर्सी पर बापू के बंदर आ गए। इसी तरह एक प्रतियोगी छात्र का पोस्टर जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा, पोस्टर में लिखा है– हम संतोष पागल नाही हई। आयोग पर प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी छात्र एक दिन एक शिफ्ट में परीक्षा कराने की मांग पर अड़े हैं। आयोग ने दो दिन में परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके खिलाफ छात्र आंदोलन पर उतर आए हैं। आयोग के सामने प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर सोमवार को पुलिस ने लाठीचार्ज भी कर दिया। यहां पर जिले भर की फोर्स के साथ ही पीएसी और पैरामिलिट्री फोर्स भी लगाई गई है।

प्रयागराज पुलिस ने मृत महिला का बयान दर्ज कर दिया: पीड़ित ने जंघई चौकी की पुलिस के खिलाफ कराया था मुकदमा

प्रयागराज। प्रयागराज के थाना सराय ममरेज की पुलिस कमाल की है। एक मामले में पुलिस ने मृतक महिला का फर्जी बयान दर्ज किया है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का बाजार गर्म है।आपको बता दें कि सराय ममरेज थाना क्षेत्र के सिधौरा गांव निवासी विनय कुमार चंदौली में दीवान है। वो बीते 3 अप्रैल को घर आये थे। विनय कुमार रस्तीपुर चौराहे पर गये थे। चौराहे पर जंघई चौकी की पुलिस ने इनसे घूस मांगी थी। इसका विरोध करने पर विनय कुमार पर जानलेवा हमला हुआ था। सराय ममरेज थाने पर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर 5 जून 2024 को थानाध्यक्ष सराय ममरेज और जंघई चौकी की पुलिस पर मुकदमा दर्ज हुआ। पीड़ित दीवान विनय कुमार का आरोप है कि पेशबंदी में पुलिस ने षड़यंत्र रचकर एक महिला से फर्जी गैंग रेप का मुकदमा उन पर दर्ज करा दिया। रेप के इस मुकदमे के विवेचक उप निरीक्षक अरुण कुमार पर आरोप है कि पर्चा संख्या 4 में दिनांक 28 जून 2024 को पर्चा काटते समय विनय कुमार की बड़ी माता अशर्फी देवी का कूट रचित बयान अंकित किया गया है।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मैंने अपनी **पत्नी उषा,पुत्र विजेंद्र कुमार पटेल, बहू बाबिता पटेल पुत्री अंजली व शिल्पा** जो हमारे कहने सुनने मे नहीं हैं और आए दिन मुझसे झगड़ा लड़ाई करते हैं। उनके कृत्यों की वजह से मैं उक्त लोगों को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है तथा मैंने उक्त लोगों से सारा संबंध समाप्त कर लिया है। उक्त लोगों द्वारा जो भी कानूनी अथवा गैर कानूनी कार्य व लेन देन किया जाएगा उसके वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। उसमे मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

अमर बहादुर , पुत्र दुखरन
निवासी थरिया थाना उतराव तहसील हँडिया जिला प्रयागराज

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मैं **सतीश कुमार पुत्र** कृष्णदत्त ओझा **निवासी** ग्राम - मालापुर थाना होलागढ़ जनपद- प्रयागराज द्वारा अपने पुत्रगण आशीष ओझा उर्फ रिंकू व अभय उर्फ पिंटू जो आवारा किस्म के हैं और उनकी संगति गलत लोगों से है। जोकि आशीष गैर समुदाय की लड़की से शादी कर लिया है इस कारण अपने पुत्रगण को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ । इन लोगों के द्वारा किया गए कार्यों से मुझसे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा ।

सतीश कुमार ओझा पुत्र कृष्णदत्त ओझा
निवासी ग्राम - मालापुर थाना होलागढ़ जनपद- प्रयागराज

दरोगा ने बच्चियों के साथ की अश्लील हरकत, वीडियो वायरल होने के बाद किया गया लाइन हाजिर. मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। बारा क्षेत्र में तैनात एक दरोगा पर बच्चियों के साथ अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर बच्चियों जुबानी वायरल होने के बाद पुलिस विभाग हरकत में आया और तत्काल प्रभाव से दरोगा को पुलिस लाइन हाजिर कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी दरोगा के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे 1.51 मिनट के वीडियो में चार बच्चियां दिख रही है। अपना दर्द बयां करते हुए बोल रही है कि हम लोग जा रहे थे। यहां बहुत अंधेरा था। हम लोगों ने कहा नमस्ते अंकल जी। उसने गोद में

उठाकर गाड़ी में बिठाया और तेज रफ्तार में निकल गया। आगे बहुत अंधेरा था। फिर उसने कहा कि अपने कपड़े उतारो। पीठ से कसकर पकड़ लिया था। इस पर मना करते कहा कि मम्मी बहुत मारेंगी। फिर हमको छोड़ दिया और फिर दूसरे से रास्ता पूछते हुए आए थे। वायरल वीडियो में किसी शख्स के पूछने पर बच्चियों ने बताया कि वह दरोगा था। हमको छोड़ने के बाद दूसरे बच्चियों को बुलाने आया था। बारा थाना क्षेत्र में शनिवार को कथा का आयोजन किया जा रहा था। ग्रामीणों में चर्चा है कि यहां की रहने वाली बच्चियां इस कथा में शामिल हो आई थीं। इस दौरान थाने में तैनात दरोगा ने बच्चियों को आइसक्रीम खिलाने के बाद अपने साथ ले गया था। बच्चियां वापस लौटी तो परिजनों को आपबीती बताई। जिसके बाद परिजन और आसपास के लोग रविवार को थाने पहुंचे। बवाल को बढ़ता देख दरोगा की पहचान करवाने की कोशिश की गई। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज बाद में मामले का खुलासा और दरोगा का नाम सामने आया। वहीं, मामला संज्ञान में आने के बाद डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव के निर्देश पर बारा एसीपी संत लाल सरोज ने परिजनों का बयान लेने की कोशिश की। लेकिन, परिजनों ने तहरीर देने से इन्कार कर दिया है। बाद में परिजनों की तहरीर पर आरोपी दरोगा के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। मामला संज्ञान में आने के बाद दरोगा को लाइन हाजिर कर पुलिस लाइन में संबद्ध कर दिया गया है। साथ ही विभागीय जांच के लिए कमेटी बना दी गई है। जांच पूरी होने के बाद बनती कार्रवाई की जाएगी।

अखाड़ा परिषद में अब तीन फाड़, राजेंद्र दास तीसरे धड़े के अध्यक्ष बने

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद में अब तीन फाड़ हो गया है। मेला कार्यालय में मारपीट के बाद दूसरे धड़े के महामंत्री निर्मोही अणि अखाड़े के महंत राजेंद्र दास ने अखाड़ा परिषद से अलग अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद के गठन का एलान कर दिया। इस वैष्णव अखाड़ा परिषद के महंत राजेंद्र दास अध्यक्ष और दिगंबर अणि अखाड़े के बाल हठयोगी महामंत्री बनाए गए हैं। अखाड़ा परिषद के साथ बैरागी परंपरा के अखाड़ों के साथ कुल 18 अखाड़ों के समर्थन का दावा किया गया है। इस फाड़ के साथ ही मारपीट के बाद अखाड़ा परिषद के दोनों धड़ों के बीच एकजुटता के प्रयासों पर पानी फिर गया है। बतादें कि कुंभ मेला कार्यालय में पहली कतार में बैठने को लेकर हुए विवाद में महंत राजेंद्र दास ने

जूना अखाड़े के अध्यक्ष महंत प्रेम गिरि पर थप्पड़ जड़ने और अभद्रता करने का आरोप लगाया था। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे श्रीमहंत ज्ञानदास को इस अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद का संरक्षक बनाया गया है। वैष्णव अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास ने बताया कि वर्ष 2010 के हरिद्वार कुंभ में अखाड़ा परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष श्रीमहंत ज्ञानदास ने अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद का गठन किया था। लेकिन, श्रीमहंत ज्ञानदास की व्यस्तता और अन्य कारणों से इस परिषद को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया ठंडे बस्ते में पड़ गई थी। महंत राजेंद्र दास के मुताबिक श्रीपंच निर्मोही अणि अखाड़ा, श्रीपंच निर्वाणी अणि और श्रीपंच दिगंबर अणि अखाड़ा के तहत वैष्णव अखाड़ों की कुल संख्या 18 है। यह वैष्णव अखाड़ा परिषद पूरी ताकत के साथ महाकुंभ को दिव्य, भव्य और नव्य बनाने में मेला प्रशासन और सरकार का सहयोग करेगा। वैष्णव अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास ने कहा कि अब किसी भी अखाड़ा परिषद से बैरागी अखाड़ों का कोई संबंध नहीं रह गया है। अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद श्रीमहंत ज्ञानदास महाराज के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाएगा। कुंभ मेले में वैष्णव अखाड़ों को अधिक से अधिक सुविधाएं दिलाई जाएंगी। इसके लिए वैष्णव अखाड़ों के संतों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलेगा। अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद के महामंत्री बाबा हठयोगी ने कहा कि हमारा किसी के साथ कोई मतभेद नहीं है। लेकिन, अगर कोई हमारे परिषद के काम में बाधा डालेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

प्रभु श्रीराम के हाथों स्थापित मनकामेश्वर का महाकुंभ में दिखेगा नया रूप

प्रयागराज। संस्थापनं रघुपतिरू कृतवांतु यस्यध् कामेश्वरस्य मनसरू सह राजपुर्त्या ध् यत्पूजनेन दुरितं विलयं प्रयातिध्श्रीशंकरं त्रिनयनं मनसा तमीडे...। प्रयाग महात्म्य शताध्यायी में सर्वकामप्रदीर्थम की महिमा से मंडित यमुना तट स्थित मनकामेश्वर महादेव महाकुंभ की नई आभा से प्रज्जवलित होगा। मान्यता है कि त्रेता युग में प्रभु श्रीराम ने वन गमन यात्रा की सफलता के लिए माता सीता और लक्ष्मण के साथ मनकामेश्वर की स्थापना कर सविधि आराधना की थी। इस महाकुंभ में उस मनसा पूरन ध्याम के दर्शन नए रूप में होंगे। मनकामेश्वर सौंदर्यीकरण परियोजना पर योगी आदित्यनाथ सरकार 6.67 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। यमुना तीरे सरस्वती घाट पर पिशाचमोचन के पश्चिम कामतीर्थ की महिमा सदियों पुरानी है। प्रभु श्रीराम के हाथों स्थापित मनकामेश्वर का आध्यात्मिक महात्म्य इसलिए भी कई गुना अधिक है क्योंकि इस शिवलिंग के आसपास पराअंबा ललितांबिका कामेश्वरी भी विराजमान हैं। योजना के तहत सात मीटर यमुना की ध्ारा की तरफ मनकामेश्वर का पहली बार विस्तार तटबंध को पाटकर किया जा रहा है। सत्संग हाल के साथ ही श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए रैंप और पत्थर के बेंच तो बनाए ही जा रहे हैं, विद्युत सजावट और भी खास की जा रही है, ताकि यह तीर्थ दूर से ही आस्थावानों को लुभा सके। इस मनकामेश्वर धाम का सौंदर्यीकरण 30 नवंबर तक पूरा होना है, लेकिन अभी 40 फीसदी ही काम हो सका है। ऐसे में अगर निर्माण तेज नहीं किया गया तो महाकुंभ से पहले इस परियोजना को फिनशिंग लाइन तक पहुंचा पाना आसान नहीं होगा।

प्रयागरात में सपा के पूर्व विधायक की कार ले भागा:15 दिन के लिए लग्जरी कार मांग कर ले गया, अब देने से इनकार, केस दर्ज

प्रयागराज। सपा के पूर्व विध्ायक सईद अहमद के साथ एक अजीब घटना हुई। पूर्व विधायक की लक्जरी कार उनका साथी ही लेकर भाग गया। पारिवार का जानने वाला युवक जरूरत बताकर 15 दिन के लिए कार ले गया था। पूर्व विधायक ने गाड़ी दे दी थी। अब उसने गाड़ी वापस करने से इंकार कर दिया है। मामला अफसरों तक पहुंचा तो सिविल लाइंस पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। सिविल लाइंस में एमजी मार्ग के रहने वाले सईद अहमद समाजवादी पार्टी से विधायक रहे हैं। पूर्व विध्ायक ने तहरीर दी है कि अंकुर केशरवानी निवासी महेवा पट्टी उपरहार गंगोत्री नगर नैनी 20 अक्टूबर 2022 को सिविल लाइन्स आवास पर आया। उसने 15 दिनों के लिये पारिवारिक आवश्यकता बता कर कार मांगी। अंकुर केशरवानी से पारिवारिक संबंध होने के कारण पूर्व विधायक ने विश्वास करके अपनी लक्जरी कार अंकुर केशरवानी को 15 दिनों के लिए दे दिया था। 15 दिन बीतने के बाद जब पीड़ित ने आरोपी कार वापस मांग रहा है। परन्तु अंकुर कोई न कोई बहाना बना कर कार वापस करने में हीला हवाली कर रहा है। कई बार गंगोत्री नगर अंकुर केशरवानी के घर पर भी गए। दिसम्बर 2023 में गए तो कार वहां नहीं थी। पूछने पर आरोपी ने कहा कि आप जाइए कल कार वापस कर दूंगा। लेकिन अंकुर केशरवानी ने न तो कार वापस किया न तो खुद आया। 16 जनवरी को फिर अंकुर केशरवानी के घर गए तो ताला लगा था। आस–पास पूछने पर पता चला कि पूरा परिवार कहीं चला गया है। अंकुर केशरवानी ने अपने दोनों मोबाइल नम्बर बन्द कर लिया है। अंकुर केशरवानी व उसके परिवार का पता नहीं चल रहा है। तब पूर्व विधायक ने पुलिस से मामले की शिकायत की।

प्रेमिका का गला रेतने वाला आरोपी गिरफ्तार, पड़ोसी पर भी किया था जानलेवा हमला

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के डभांव गांव में शनिवार रात कहासुनी के बाद अपनी प्रेमिका का गला रेतने वाले आरोपी युवक को नैनी पुलिस ने सोमवार भोर में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बीच बचाव में आये पड़ोसी पर भी जानलेवा हमला किया था। घायल दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। कौंधि

यारा थाना क्षेत्र के देवरा गांव की रेनू पांडेय (38) प्रयागराज शहर में साड़ी की दुकान में काम करती हैं। वह शादीशुदा हैं। काम के दौरान रेनू की पहचान राकेश पटेल (38) पुत्र सिरवत नारायण निवासी सपहा थाना घूरपुर से हुई। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं और दो माह पहले राकेश ने रेनू को नैनी के डंभाव स्थित रवि पटेल के घर में किराए का कमरा दिला दिया। तभी से रेनू यहीं रहने लगी थी। शनिवार देर रात राकेश रेनू को दुकान से लेकर अपने साथ डभांव स्थित कमरे पर आया था। वहां रेनू और राकेश के बीच एक साथ रहने को लेकर विवाद होने लगा। पुलिस के मुताबिक रविवार भोर में राकेश ने गुस्से में रेनू का पेपर कटर से गला रेत दिया। शोर सुनकर पड़ोस में रहने वाले महेश पटेल (45) पहुंचा और बीचबचाव करने लगा। राकेश ने उस पर भी वार कर दिया। इससे वह भी लहूलुहान हो गया। दोनों घायलों को इलाज के लिए पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चाका ले जाया गया। गंभीर होने पर उन्हें स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। महेश की तहरीर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ जानलेवा हमले का मामला पंजीकृत किया था। आरोपी राकेश को सोमवार भोर में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर वैभव सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

प्रयागराज में नौकरी के नाम पर 2.93 लाख रुपए ठगे: कई बार एकाउंट से ट्रांसफर की रकम, वापस मांगने पर मिली धमकी, रिपोर्ट दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवक के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की गई है। युवक से दो लाख 93 हजार रुपये ले लिए गए लेकन उसकीनौकरी नहीं लगी। ठगी का शिकार हुआ युवक जब रुपये वापस मांगकर थक गया तो उसने पुलिस

अधिकारियों से शिकायत की। अब मामला दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। बेरोजगार युवक का कहना है कि उसने कुल 293155 रुपये नौकरी के नाम पर दिए। तहरीर पर कर्नलगंज पुलिस धोखाधड़ी और आईटी की धारा में केस दर्ज कर जांच में जुटी है। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के सलोरी के रहने वाले सौरव पांडेय ने तहरीर दी है कि वह किराए का मकान लेकर रहते हैं। आठ मई को टेलीग्राम के माध्यम से आध्या ठाकुर से संपर्क हुआ। उसने नौकरी दिलाने के नाम पर मुझसे पैसे मांगे। नौकरी के चक्कर में सौरव ने अपने खाते से 10 से 13 मई के बीच 293155 रु की राशि मोबाइल बैंकिग के माध्यम से भिन्न भिन्न खातो में स्थानांतरित किया। इसके बाद भी नौकरी नहीं लगी तो उन्हें धोखाधड़ी एहसास हुआ। इसके बाद उसने इसकी शिकायत नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर की। बाद में कर्नलगंज थाने में तहरीर दी। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। मामले में मेजा इंस्पेक्टर राजेश उपाध्याय का कहना है कि तहरीर के अनुसार जांच की जा रही है। शव पीएम को भेजा गया है।

अदालती नोटिस

अपील की सुनवाई के लिए नियतदिन की प्रत्युत्तरदाता को सूचना
(आदेश 41 नियम 14)
न्यायालय ए.डी.जे.कक्ष संख्या 22
जिला इलाहाबाद

अपील संख्या 137 **सन 2014 ई.**
कमलाकांत

बनाम

कृष्णाकान्त

1. अमित तिवारी पुत्र स्व: मनमोहन तिवारी निवासी ग्राम कुसुँगुर परगना सिकंदरा तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज हाल निवासी 100/56 तुलाराम बाग प्रयागराज, **2.शिवाकान्त, 3.उमाकांत, 4.शशिकांत, 5.इंदुकांत,** पुत्रगण स्व कमलाकांत सभी निवासी 101/55ए तुलारामबाग इलाहाबाद **6.श्रीमती पुष्पा देवी** पत्नी कृष्णाकान्त

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में की आज्ञाप्ति की अपील द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्ट्रीकृत कर ली गई है और **2024 ई के 12 का 3 दिवस** इस अपील की सुनवाई के लिए नियत किया गया।
यदि इस अपील में आपकी ओर से या तो आप या आपके अधिवक्ता या आपके लिये कार्य करने के लिए विधि द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित न होगा तो वह आपकी अनुपस्थिति में सुनी जायेगी और विनिश्चित की जावेगी।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया।

नियत तिथि 03.12.2024

न्यायाधीश

भारतीय योग परम्परा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

प्रयागराज। प्रो. अनिता स्वामी शोध संस्थान, नई दिल्ली द्वारा भारतीय योग परम्परा विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रो. राम नाथ झा,आचार्य, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या संस्थान,जे. एन. यू., नई दिल्ली ने कहा कि योग भारतीय ज्ञान परम्परा का बहुमूल्य धरोहर है। योग के माध्यम से हम विश्व की सम्पूर्ण अशुद्धियों का निवारण करने में समर्थ हो सकते हैं। प्रो. अनिता स्वामी महोदया स्वयं ही योगिनी थी। उन्होंने केवल देना ही सीखा था। उनके शब्दकोश में प्रायः लेना शब्द नहीं था। डॉ. माया वर्मा, सह–आचार्य – संस्कृत विभाग, इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने कहा कि हमें अपने कर्त्तव्य का निर्वहण निरन्तर करते रहना चाहिए।विनोद स्वामी (प्रो. अनिता स्वामी के भातृश्रेष्ठ), बीकानेर, राजस्थान ने कहा कि प्रो. अनिता स्वामी शोध संस्थान द्वारा संकल्पित प्रत्येक कार्य को पूर्ण किया जाएगा। उनके अनुजों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों में उन्हीं का स्वरूप दिखाई देता है। प्रो. अनिता स्वामी छात्रानुरागिणी होने के साथ लोकोपकारिणी भी थी। उन्होंने शोधार्थियों के शोधकार्य में सर्वदा सहायता किया है। उनका लक्ष्य संस्कृत वाङ्मय में निहित वैज्ञानिक तथ्यों को आधुनिक समाज के समक्ष उद्घाटित करना था। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों हेतु उनके मन में अगाध प्रेम था। उन्होंने एक गुरुकुलीन आश्रम बनाने का लक्ष्य भी बनाया था। उनके स्वप्न को साकार करने के उद्देश्य से प्रो. अनिता स्वामी शोध संस्थान की स्थापना की गई है। यह संस्थान भारतीय ज्ञान–विज्ञान परम्परा को वैश्विक पटल पर प्रामाणिक रूप से प्रस्तुत करता रहेगा। इस कार्यक्रम के प्रारम्भ में नितिन त्रिपाठी ने सुमधुर स्वर में मङ्गलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। सञ्चालन डॉ. पीयूष मिश्र, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। शान्तिपाठ अनन्तजी मिश्र एवं शिवम मिश्र ने किया।

उद्घाटन–सत्र में शताधिक विद्वज्जन सम्पूर्ण भारतवर्ष से जुड़े रहे। प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रो. विनोद कुमार गुप्त, संस्कृत विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। इस सत्र में डॉ. कपिल गौतम, सहायक आचार्य, वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान ने अद्वैतवेदान्त के अनुसार समाधि के विघ्न एवं निवारण, डॉ. घनश्याम मिश्र, सहायक आचार्य, रणवीर परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर, वेदान्तसम्मत सृष्टि प्रक्रिया का योगात्मक स्वरूप, डॉ. इन्दु सोनी, सहायक आचार्य, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, नई दिल्ली वैदिक योग का व्यावहारिक पक्ष, डॉ. आयुष गुप्ता, सहायक आचार्य, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश, भारतीय ज्ञान परम्परा में योग के विविध आयाम, डॉ. वालखड़े भूपेन्द्र अरूण, सहायक आचार्य, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, योग दर्शन के अनुसार कर्म सिद्धान्त विमर्श, डॉ. श्याम कुमार, सहायक आचार्य, उदित नारायण सिंह महाविद्यालय, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश, योग एवं स्वास्थ्य रू समसामयिक सन्दर्भ, डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक आचार्य, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र, काश्मीर शैव दर्शन में योग की अवधारणा, डॉ. राजकिशोर आर्य, सहायक आचार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेशचरक संहिता में योग दर्शन विषयक शोधपत्रों का वाचन किया।सञ्चालन एवं धन्यवाद–ज्ञापन पवन कुमार मिश्र, शोध छात्र, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। द्वितीय सत्र में डॉ. बबलू पाल, सहायक आचार्य, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी बिहार ने अध्यक्षता की। इस सत्र में डॉ. चन्दा झा, शोध छात्रा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, वर्तमान समय में सकारात्मक चिन्तन के लिए योग दर्शन रू एक सशक्त माध्यम , डॉ. अरविन्द कुमार, सहायक आचार्य, चौधारी चरण सिंह मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश–भारतीय योग परम्पराके संवहन में प्रो.अनिता स्वामी जी का योगदान, डॉ. अशोक कुमार, शोध छात्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, प्रयागराज – अष्टाङ्गयोग का स्वरूप, डॉ. ओमप्रकाश, सहायक आचार्य, मुक्त अध्ययन संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली – ल्वहं जववस वित बपमदजपपिब मदकमंअवनत, डॉ. प्रचेतस, सहायक आचार्य, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज– वेदों में योगविषयक चिन्तन, प्राची नौटियाल, शोध छात्रा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली – अष्टावक्र गीता में योग का स्वरूप, गोपाल कृष्ण मिश्र, शोध छात्र महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार – व्यक्तित्व विकास में पातञ्जल–योग की भूमिका, ज्योति मिश्रा शोध छात्रा महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी,बिहार, पातंजल–योग की साम्प्रतिक उपादेयताविषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया। सञ्चालन एवं धन्यवाद–ज्ञापन दृनितिन त्रिपाठी, शोध छात्र, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. ठाकुर शिवलोचन शाण्डिल्य, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने की। छोटेलाल यादव, शोध छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या विश्वविद्यालय, प्रयागराज – पातञ्जल योगदर्शन में अष्टाङ्ग योग, डॉ. पीयूष मिश्र, अतिथि प्रवक्ता, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – योग का व्यावहारिक वैशिष्ट्य, जूली मिश्रा, शोध छात्रा, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – भारतीय राजयोग का स्वरूप, अर्चना सारण शोध छात्रा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली – योग दर्शन में अष्टांग योग का वैशिष्ट्य एवं उनका प्रभाव विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया। सञ्चालन एवं धन्यवाद–ज्ञापन अनन्त जी मिश्र, शोध छात्र, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता डॉ. महविश अंजुम, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। इस सत्र में महिमा त्रिपाठी, शोध छात्रा , प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, पातंजल योग दर्शन में वर्णित चतुर्विध विषय का स्वरूप,कृष्ण कुमार यादव, शोध छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – भारतीय योग परम्परा में क्रियायोग, नितिन त्रिपाठी – शोध छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – शिवसंहिता में कुण्डलिनी विमर्श, अनन्त जी मिश्र – शोध छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – हठयोगप्रदीपिका के अनुसार प्राणायाम की अवधारणा विषयक शोध पत्र प्रस्तुत करते , शिखा श्रीवास्तव – शोध छात्रा , प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – वेदों में योग की अवधारणा, आनन्द कुमार – शोध छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – योग दर्शन के विविध आयाम – सन्दीप दूबे, छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज –योग का महत्त्व, शिवम मिश्र, छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – पातञ्जल योग दर्शन में चित्त का स्वरूप, आराधना – शोध छात्रा, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – योग की प्रासङ्गिकता विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया। सञ्चालन एवं धन्यवाद–ज्ञापन शिखा श्रीवास्तव, शोध छात्रा, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। डॉ. ललित कुमार, सहायक आचार्य, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज – वैदिकसंहितासु योगदर्शने च उपदिष्टानां यमाना स्वरूपम्, डॉ. भोलानाथ, सहायक आचार्य, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश – योग और मानसिक स्वास्थ्य रू अवसाद और चिन्ता के प्रबन्धन में योग की भूमिका, विद्या तिवारी, शोध छात्रा, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या विश्वविद्यालय, प्रयागराज – योग दर्शन में ध्यान का स्वरूप, डॉ. प्रिया झा, अतिथि प्रवक्ता, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – योग और मानव जीवन का अन्तःसम्बन्ध, प्रभात कुमार दृ छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज – भारतीय योग दर्शन का सामान्य परिचय, डॉ. –रामकरण लुहार, शोधार्थी दिल्ली विश्वविद्यालय पातञ्जल योग एवं हठयोग में स्वास्थ्य विमर्श विषयक शोधपत्र प्राप्त हुए हैं। समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रो. राम नाथ झा ने कहा कि हमें योग के आधार पर युक्त आहार विहार का अनुपालन करना चाहिए। युक्त का अर्थ हल्का एवं स्वास्थ्यपरक भोजन करना चाहिए। उदर में पानी हेतु भी अवस्थान शेष रखना चाहिए। हमें योग और आयुर्वेद को अपने जीवन का अनिवार्य अङ्ग बनाना चाहिए। यदि हम ऐसा करेंगे तो अवसाद, तनाव और दुःख से मुक्त रहेंगे। साउथ कोरिया से आभासीय पटल के माध्यम से उपस्थित डॉ. वन्दना उपाध्याय जो संस्कृत एवं प्राच्य अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, की शोध छात्रा हैं, उन्होंने प्रो. अनिता स्वामी महोदया के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महोदया का जीवन लोककल्याण को समर्पित था।ओमवीर सिंह, योग विशेषज्ञ, वेदभूमि कनेक्ट, योगभूमि हरिद्वार उत्तराखण्ड ने विशिष्ट वक्तव्य देते हुए कहा कि महर्षि महेश योगी ने सम्पूर्ण विश्व में योग को प्रसारित किया है।आज सम्पूर्ण विश्व योग के महत्त्व को अङ्गीकार कर चुका है। विश्व में अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया जाने लगा है। महर्षि महेश योगी ने महर्षि पतञ्जलि के प्राणायाम के आधार पर सम्पूर्ण विश्व में यौगिक फ्लायर्स को तैयार करने के लिए कहा है और इस पुनीत कार्य को विद्यालय के स्तर पर उस संस्था के निर्देशन में सम्पूर्ण विश्व में लाखों यौगिक फ्लायर्स तैयार किए जा रहे हैं। प्रमोद स्वामी जी (प्रो. अनिता स्वामी महोदया के भ्रातृश्रेष्ठ) ने कहा कि हमें उनके किए हुए कार्यों को स्मरण करते रहना चाहिए। उनके द्वारा जो भी अवशिष्ट है य उसको हमें मनोयोग पूर्वक पूरा करना है। विनोद स्वामी जी (प्रो. अनिता स्वामी महोदया के भ्रातृश्रेष्ठ) ने कहा कि हमें उनके स्वप्न को साकार करना है। उन्होंने इस संगोष्ठी के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे आप सबमें प्रो. अनिता जी दिखती हैं। आप सब उनके विषय में इतने अच्छे भाव रखते हैं तो निश्चित रूप से हमारा कुल उनके द्वारा गौरवान्वित किया गया है। हमें ऐसे कार्यों को करते रहना है। इस संगोष्ठी के समापन सत्र में स्वागत उद्बोधन एवं सञ्चालन डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। शान्तिपाठ अनन्त जी मिश्र एवं शिवम मिश्र ने किया। अभासीय पटल पर पूरे दिन शताधिक विद्वज्जन सम्पूर्ण भारतवर्ष से जुड़े रहे। इस कार्यक्रम का फेसबुक पर लाइव प्रसारण भी किया गया।

श्रृंगवेपुरधाम में 35वां दिव्य राष्ट्रीय रामायण मेला आयोजित' आध्यात्मिक रामायण मेला का शुभारंभ'

प्रयागराज ससउत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन प्रयागराज और जिला पर्यटन संस्कृति परिषद प्रयागराज के सहयोग से श्रृंगवेपुरधाम में 35वां राष्ट्रीय रामायण मेला आयोजित किया जा रहा है। यह आध्यात्मिक मेला 11 से 15 नवंबर 2024 तक चलेगा, मेले का उद्घाटन आजअपराह्न 1 बजे से हुआ और इसका समापन 15 नवंबर 2024 को कार्तिक पूर्णिमा पर होगा।

मेले में अविरल श्रीरामकथा, श्रीराम लीला का भव्य मंचन, लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम, पोस्टर चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता, रामायण ज्ञान प्रतियोगिता, पुस्तक वमोचन, संगोष्ठी तथा पत्रकार सम्मेलन का भव्य आयोजन होगा। मेले में शामिल होने वाले गण्यमान्य जनों में श्रीमद् प्रयाग पीठाधीश्वर रामानुजाचार्य धराचार्य, प्रथम महिला महामंडलेश्वर शंकराचार्या स्वामी हेमानंद गिरि, प्रो. शंभूनाथ उपाध्याय, पूर्व शिक्षा मंत्री नरेंद्र सिंह गौर, क्षेत्रीय विधयक गुरु प्रसाद मौर्य और केशरी देवी पटेल शामिल हैं। इस अवसर पर डॉ. बाल कृष्ण पाण्डेय, अध्यक्ष राष्ट्रीय रामायण मेला श्रृंगवेरपुरधाम ने कहा, ष्यह मेला राष्ट्रीय एकता, अखंडता और विश्व शांति के लिए आयोजित किया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि यह मेला श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए एक अद्वितीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करेगा। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि राष्ट्रीय रामायण मेले के समापन समारोह के मुख्य अतिथि गोवर्धन पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी अध्योक्षानंद देव तीर्थ जी महाराज रहेंगे और इस कार्यक्रम की गरिमामयी अध्यक्षता न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल की होगी।

लालगंज में चकबंदी न्यायालय स्थापित होने को लेकर वकीलों ने जतायी खुशी, डीएम का जताया आभार

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील परिसर में चकबंदी न्यायालय स्थापित होने को लेकर सोमवार को अधिवक्ताओं में यहां खुशी देखी गयी। वकीलो ने पार्क मे एकत्रित होकर आम सभा में डीएम के जनहित में पारित आदेश को लेकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर प्रसन्नता जतायी। डीएम संजीव रंजन के आदेश के मुताबिक तहसील परिसर मे अब लालगंज द्वितीय तथा उदयपुर व रेहुआ लालगंज चकबंदी न्यायालय तहसील परिसर में संचालित होगा। आदेश में कहा गया है कि चकबंदी अधिकारी लालगंज द्वितीय एक दिन चकबंदी लालगंज प्रथम न्यायालय सांगीपुर में नजदीकी क्षेत्र से संबंधित ग्रामों के वादों की सुनवाई करेंगे। चकबंदी अधिकारी लालगंज प्रथम तहसील में स्थापित न्यायालय में न्यायिक कार्य देखेंगे। आदेश की जानकारी अधिवक्ताओं को हुई तो वह खुशी से झूम उठे। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीएम के प्रति जनहित के आदेश को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पारित हुआ। बैठक का संचालन महामंत्री सूर्यकांत निराला व संयोजन उपाध्यक्ष बालेन्द्र त्रिपाठी ने किया। वकीलों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। इस मौके पर राम मोहन सिंह, शिवाकांत उपाध्याय, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, विकास मिश्र, हरकेश पटेल, संतोष पाण्डेय, गया प्रसाद मिश्र, दिनेश सिंह, दीपेन्द्र तिवारी, सुरेश मिश्र, मस्तराम पाल, विपिन शुक्ला, शिव नारायण शुक्ल, शिवेन्द्र तिवारी, ललित गौड़, प्रमोद सिंह, शैलेन्द्र सिंह आदि अधिवक्ता रहे। बतादें अभी तक चकबंदी न्यायालय सांगीपुर में चल रहा था। सांगीपुर लालगंज से चौदह किलोमीटर दूर होने के कारण अधिवक्ता इस न्यायालय को लालगंज में संचालित कराने के लिए काफी समय से संघर्षरत थे। संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह की अगुवाई में कई बार एसओसी से हुई वार्ता के बाद इस न्यायालय लालगंज स्थापित होने को लेकर आखिरकार अधिवक्ताओं का संघर्ष रंग लाया।

'डॉ0 राकेश सक्सेना की कृति रिश्ते हल्के बटुए भारी का विमोचन सम्पन्न'

एटा,। सजल सर्जना समिति का सातवाँ वार्षिक महोत्सव आर०सी०ए०महाविद्यालय मथुरा के सभागार में लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार डॉ०शिवओम अम्बर, डॉ०रामसनेही लाल शर्मा यायावरश, अपर जिलाधिकारी डॉ०राकेश कुमार त्यागी, राजबहादुर,यूके नाटिंघम की प्रवासी साहित्यकार डॉ०जय वर्मा ,सजल प्रवर्तक डॉ०अनिल गहलौत के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरु महाविद्यालय, एटा के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष एवं कवि डॉ०राकेश सक्सेना द्वारा रचित श रिश्ते हल्के बटुए भारी श सजल कृति का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया तथा समिति ने कृतिकार डॉ०सक्सेना को सजल भामाशाह की उपाधि से अलंकृत किया। साहित्यकार डॉ०शिवओम अम्बर, डॉ०अनिल गहलौत,डॉ०महेश दिवाकर, डॉ०रामसनेही लाल शर्मा यायावर, विजय बागरी विजय, रानी गहलौत, हरवेन्द्र सिंह गौर,जितेन्द्र कमल आनंद,डॉ०सतीश शाकुन्तल,डॉ० वी०के०सिंह,डॉ०संजीव श्रीवास्तव,उपेन्द्र त्रिपाठी, आदि विद्वानों ने डॉ०सक्सेना की कॅति को श्रेष्ठ व मार्मिक सजलों का दस्तावेज बताते हुए शुभकामनाएँ व्यक्त की।

पुण्यतिथि पर शिक्षाविद को किया नमन

लालगंज, प्रतापगढ़। दादी माता मेमोरियल पब्लिक नरायनपुर में सोमवार को विद्यालय के संस्थापक व शिक्षाविद की पुण्यतिथि पर लोगों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि एसके मिश्र ने कहा कि आसपास के ग्रामीण अंचल के बच्चों में शिक्षा की मजबूती को लेकर स्वर्गीय मेजर पीएन सिंह ने इस विद्यालय की नींव रखी। उन्होनें शिक्षाजगत व समाज में किये गये पुनीत कार्यो को लेकर स्वर्गीय सिंह के कृतित्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षाविद द्वारा शिक्षाजगत में दिया गया योगदान सदैव शिक्षकों को प्रेरणा देता रहेगा। इससे पूर्व अतिथियों के साथ शिक्षकों व बच्चों ने स्वर्गीय पीएन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर समाजसेवी राममूर्ति सिंह, कुंवर दुष्यंत, विनोद सिंह, सुरेन्द्र, मुन्ना, अम्बिका आदि मौजूद रहे।

रैचनपुर का मेला आज

लालगंज, प्रतापगढ़। रैचनपुर में लगने वाला पारम्परिक मेला आज मंगलवार को आयोजित होगा। इसके साथ ही यहां दंगल प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। जिसमें जौनपुर, फतेहपुर, बाराबंकी समेत विभिन्न जनपदों से नामचीन पहलवानों का जमघट होगा। यह जानकारी मेला कमेटी के सदस्य सुरेश मिश्र फौजी व अनूप मिश्र ने संयुक्त रूप से दी है।

'वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न हुई'

गुवाहाटी, असम स वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट पर कल शाम 6.30 बजे सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वनकाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रोहित निगम नाज जी और विशिष्ट अतिथि महाराष्ट्र इकाई की अध्यक्षा श्रीमती सुवर्णा अशोक जाधव जी थी। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन असम वनकाम के उपाध्यक्ष श्री विनय कुमार बुद्ध जी ने की। वनकाम असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी जी ने मुख्य अतिथि को ससम्मान मंच पर आसन ग्रहण करवाया और परिचय मंच के सामने प्रस्तुत किया। तत्पश्चात असम इकाई वनकाम के उपाध्यक्ष विनय कुमार श्बुद्धश जी ने मुख्य अतिथि का परिचय मंच के सामने रखा। सचिव हेमलता गोलछा जी ने बेहद ही मनमोहक स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद काव्य गोष्ठी का कार्यभार विनय जी ने संभालते हुए वरिष्ठ कवि श्री सूचित सिंह जी को काव्य पाठ के लिए आमंत्रित किया। तत्पश्चात हेमलता गोलछा जी ने कुछ दोहे सुनाई, वरिष्ठ कवयित्री दीपा लिम्बू जी ने मन पर, मनीषा पॉल जी ने स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित कविता तो मणिपुर काव्य मंच के अध्यक्ष श्री रोहित जी ने गांव शहर पर अपनी रचना सुनाई। श्रीमती इंदु जी ने बहुत ही सुरीले अंदाज में कविता सुनाई तो वहीं मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र निगम नाज जी ने एक से बढ़के एक शायरी सुनाई। श्री जाकिर हुसैन बेलीम जी ने पैरोडी, सैयदा अनोवरा जी ने श्रृंगार रस में, कल्पना हलोई जी ने बोझ और विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुवर्णा अशोक जाधव ने बेटी व वटवृक्ष के दुख पर अपनी कविता सुनाई। अध्यक्षा श्रीमती आभा कुमारी चौधरी ने गांव पर और अंत में उपाध्यक्ष श्री विनय कुमार बुद्ध ने वीर रस से ओत–प्रोत रचना सुनाई। इस मौके पर असम इकाई, वनकाम की सलाहकार ममता गिनोडिया जी भी मौजूद थी, उन्होंने अपने आशीष वचन से सभी को अनुगृहीत किया।

अंत में मुख्य अतिथि और विशिष्ठ अतिथि ने सभी कवियों की प्रस्तुति को सराहा और अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि सभी ने अलग–अलग रसों से उनके अंतरंग को भीगों दिया। साथ ही उनके भविष्य की मंगल कामना करते हुए मंच को सफल काव्यगोष्ठी के लिए बधाई दी। विनय कुमार बुद्ध जी की सफल अध्यक्षता और संचालन के लिए भी अतिथियों में उन्हें विशेष रूप से बधाई दी। उसके तुरंत बाद आभा कुमारी चौधरी ने काव्यगोष्ठी की औपचारिक रूप से समापन की घोषणा की। कुल मिलाकर कार्यक्रम बेहद सफल, उत्साहवर्धक और भावपूर्ण रहा।

प्रयागराज में विवाहिता ने खाया जहर: अस्पताल में उपचार के दौरान मौत, मायके पक्ष के किया हंगामा

प्रयागराज। प्रयागराज के थाना क्षेत्र के चपरतला गांव में परिवारिक विवाद के बाद एक विवाहिता ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। इससे महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष ने जमकर बवाल किया। इलाकाई पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा– बुझाकर मामले को शांत कराते हुए शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु शहर भेज दिया है। मेजा कोतवाली के चपरतला गांव की रहने वाले कौशलेश की शादी गंगा पार के बेदौली गांव की रहने वाली संगीता के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ हुई थी। शादी के बाद संगीता का ससुराल में सभी से व्यवहार ठीक चल रहा था। एक सप्ताह पूर्व संगीता से ससुराल में किसी कामकाज को लेकर विवाद शुरू हो गया। वहीं बीती रात एक फिर संगीता से विवाद हुआ।

धर्म सदैव देता है परोपकार की सीख- पं0 जनार्दन मिश्र

रोहाड़ा में हो रही श्रीमदभागवत कथा में रूक्मणी विवाह प्रसंग सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

लालगंज, प्रतापगढ़। रानीगंज कैथौला क्षेत्र के रोहाड़ा गांव में हो रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में सोमवार को श्रद्धालु रूक्मणी मंगल विवाह का प्रसंग सुनकर भावविभोर हो उठे। कथाव्यास आचार्य पं. जनार्दन मिश्र ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सत्य को जीवन का मांगलिक आधार निरूपित किया। उन्होनें कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा धर्म रक्षार्थ जगत के उद्धार का भी मार्ग सदासर्वदा के लिए प्रशस्त किया गया है। उन्होनें श्रद्धालुओं से कहा कि धर्म सदैव परोपकार और दूसरे के दुख को मिटाने वाला मार्गदर्शक है। आचार्य जनार्दन मिश्र जी ने कहा कि भगवान की पूजा तभी फलीभूत होती है जब कामना सर्वकल्याण की हुआ करती है। उन्होनें कहा कि जीवन को दुख से बचाने के लिए सदैव नैतिक बनाए रखना चाहिए। कथा के संयोजक पूर्व पं. रामकृष्ण तिवारी एवं मुख्य यजमान पं. राम अनुज तिवारी ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। पूर्व प्रधान रामचंद्र तिवारी व सह संयोजिका पुष्पा तिवारी के साथ श्रद्धालु रूक्मणी विवाह प्रसंग पर पाण्डाल में व्यासपीठ पर पुष्पवर्षा करते दिखे। इस मौके पर पप्पू तिवारी, केशवदत्त पाण्डेय, केडी मिश्र, हरि बहादुर सिंह, सतीश पाठक, संतराम चौरसिया, रमेश चौबे, अतुल शुक्ला, मुन्ना मिश्र आदि रहे।

संगठन की मजबूती को व्यापार मण्डल की हुई बैठक

लालगंज, प्रतापगढ़। व्यापार मण्डल संगठन की मजबूती व कार्यो को पारदर्शितापूर्ण बनाने को लेकर बैठक हुई। रानीगंज कैथौला बाजार में व्यापारियों की हुई बैठक की अध्यक्षता जयप्रकाश जायसवाल ने किया। व्यापार मण्डल अध्यक्ष जयप्रकाश ने कहा कि व्यापारियों की प्रत्येक समस्या का समाधान पारदर्शिता से किया जा रहा है। उन्होनें कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा व उनके समस्याओं के समाधान को लेकर व्यापार मण्डल सदैव प्रतिबद्ध रहा है। उन्होनें सदस्यता अभियान चलाकर संघ को और मजबूत बनाने का आहवान किया। इस मौके पर अर्जुन जायसवाल, पप्पू केसरवानी, गोविन्दबाबू केसरवानी, तीरथ अग्रहरि, पप्पू अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय.....

ज्ञान मनुष्यता का आधार

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो, उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर–उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। श्पंचतंत्रश्तथा श्हितोपदेशश इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं। वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे–धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

फैशन बाजार की बयार में खुलता मिडल ईस्ट

पुष्परंजन

जुमे के दिन स्विम सूट फैशन शो में शामिल होने वाले सीरियाई इन्फ्लुएंसर शौक मोहम्मद ने कहा कि सऊदी अरब के दुनिया के लिए खुलने और अपने फैशन और पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ाने के प्रयास को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं है।

रियाद से सऊदी प्रेस एजेंसी ने बीते दिनों खबर दी कि सऊदी फैशन आयोग ने एक नई शैक्षिक पहल शुरू करने के लिए फ्रांस के 'इंस्टीट्यूट फ्रैंकैस डे ला मोद' और 'मिस्क फाउंडेशन' के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी में अत्याधुनिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़कर अभिनव शैक्षिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाना है, जो डिजाइनरों, ब्रांड मालिकों और निवेशकों के लिए फैशन की दुनिया में बड़ा मंच तैयार करते हैं। यानी, फैशन की दुनिया में सऊदी अरब अब प्रतिस्पर्धी है। यह खबर उनके लिए तकलीफदेह है, जो परिधान को धर्म के नजरिये से सुनिश्चित करते हैं। सऊदी फैशन आयोग का एक वार्षिक कार्यक्रम है, '100 ब्रांड्स', जिसका मिशन इस्लामी अधिराज्य के फैशन उद्योग को बढ़ाना है। रियाद स्थित सऊदी फैशन आयोग की स्थापना 2020 में हुई थी। यह सांस्कृतिक मंत्रालय का हिस्सा है। गत मई में सऊदी अरब ने पहला फैशन शो आयोजित किया, जिसमें मॉडल स्विम सूट के साथ नमूदार हुईं। फैशन शो में मोरक्को की डिजाइनर यास्मिना कंजल के वन–पीस स्विमसूट डिजाइन दिखाए गए। अधिकांश मॉडलों के कंधे खुले हुए थे। डिजाइनर यास्मिना कंजल ने बताया, 'यह सच है कि सऊदी अरब बहुत रूढ़िवादी है, लेकिन हमने इस्लामी दुनिया का प्रतिनिधित्व करने वाले इस देश में सुरुचिपूर्ण स्विमसूट दिखाने की कोशिश की है। जब हम यहां आए, तो हमने समझा कि सऊदी अरब में स्विमसूट फैशन शो एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि ऐसा आयोजन पहली बार हो रहा है। कंजल ने कहा, इसमें शामिल होना सम्मान की बात है।' जुमे के दिन स्विम सूट फैशन शो में शामिल होने वाले सीरियाई इन्फ्लुएंसर शौक मोहम्मद ने कहा कि सऊदी अरब के दुनिया के लिए खुलने और अपने फैशन और पर्यटन क्षेत्रों को बढ़ाने के प्रयास को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं है। स्विमसूट डिजाइन शो में आये एक फ्रांसीसी इन्फ्लुएंसर राफेल सिमाकोर्बे ने कहा कि हमारी नजर में इसमें कुछ भी जोखिम भरा नहीं था, लेकिन सऊदी के संदर्भ में यह एक बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने कहा, 'ऐसा करना उनके लिए बहुत साहस का काम है, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।' आयोजकों ने बताया कि यह 'रिसॉर्ट रेड सी ग्लोबल' का हिस्सा है, जो सऊदी अरब के विजन 2030 सामाजिक और आर्थिक सुधार कार्यक्रम के गीगा–प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसकी देखरेख क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान करते हैं। प्रिंस सलमान ने सऊदी अरब की कठोर और रूढ़िवादी छवि को नरम करने के लिए सामाजिक सुधारों की एक शृंखला शुरू की है। इन सुधारों में सिनेमाघरों को फिर से शुरू करना, और मिश्रित–लिंग यानी महिला–पुरुष के साझे संगीत समारोहों का आयोजन करना शामिल है। वहाबिज्म के बरक्स इन प्रयासों को रूढ़िवादी सहजता से पचा नहीं पा रहे हैं। उन परिवर्तनों में लाठी भांजने वाली धार्मिक पुलिस को दरकिनार करना शामिल है। आज की तारीख में सऊदी फैशन इंडस्ट्री में ढाई लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। जिस सऊदी अरब को हम पेट्रो डॉलर वाला देश मानते रहे, वहां की पटकथा नई पीढ़ी अब बदल रही है। स्टेटिस्टा के अनुसार, सऊदी अरब में फैशन बाजार 2024 में 4.37 बिलियन डॉलर का हो जायेगा, जिसमें 2024 से 2029 तक 11.62 प्रतिशत की चक्रवृद्धि की संभावना है। इससे अगले पांच वर्षों में बाजार का आकार 7.57 बिलियन डॉलर का हो जाएगा, जो गैर–तेल उद्योगों को बढ़ावा देने की मंशा को रेखांकित करता है। सऊदी सरकार ने फैशन को सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में मान्यता दी है। साल 2021 में किंगडम ने आयातित फैशन वस्तुओं पर 7.3 बिलियन डॉलर खर्च किए, जो घरेलू विकास की संभावना को दर्शाता है। 1979 में मक्का में मस्जिद अल–हरम में एक फतवे के जरिये किंगडम की सभी महिलाओं, और आगंतुकों के लिए अनिवार्य अबाया या कवर्ड लिबास लागू किया गया। वर्ष 1980 के दशक के अंत तक, महिलाओं को स्विमिंग पूल का उपयोग करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। 1980 और 90 के कालखंड में, सऊदी अरब की धार्मिक पुलिस अधिक रूढ़िवादी हो चुकी थी। नमाज में अनिवार्य रूप से उपस्थिति, लिंग भेद और सऊदी अरब ड्रेस कोड, विशेष रूप से महिलाओं के लिए सख्ती से लागू किया। साल 2015 में, जब किंग सलमान सिंहासन पर बैठे, तो उन्होंने फैसला किया कि काला अबाया अब अनिवार्य नहीं है। औरतें किसी भी रंग और पैटर्न का अबाया पहन सकती हैं। साल 2017 और 2019 के बीच, रूढ़िवादी परम्पराओं के पोषक इस देश में महत्वपूर्ण सामाजिक सुधार लागू किए गए। इससे उन महिलाओं को लाभ हुआ, जो पहले गाड़ी चलाने, पुरुषों की मौजूदगी में खेल और मनोरंजन कार्यक्रमों में भाग लेने, या पुरुष की अनुमति के बिना पासपोर्ट प्राप्त करने में असमर्थ थीं। साल 2018 में, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने स्पष्ट कहा कि इस्लाम का पालन करने के लिए महिलाओं को सार्वजनिक रूप से अबाया या हिजाब पहनने की जरूरत नहीं है। इससे कई महिलाओं को यह चुनने की अनुमति मिल गई, कि वो कौन सा बाहरी वस्त्र पहनेंगी। सदगुणों को बढ़ावा देने और बुराई की रोकथाम के लिए सऊदी आयोग (सीपीवीपीवी), की स्थापना 1940 में की गई थी। यह संगठन, आज भी काम कर रहा है, लेकिन इसके दांत एक–एक कर तोड़े जा रहे हैं। पहले इसका मुख्य काम सऊदी अरब में महिलाओं के लिए ड्रेस कोड लागू करके, इबादत के समय को तय करना और घर से बाहर औरत–मर्द की आवाजाही को अलहदा करके इस्लामी मानदंडों को लागू कराना होता था। ये नियम, आमतौर पर सऊदी अरब की महिलाओं पर कहीं अधिक कठोरता से आयद किए गए थे। साल 1960 और 1980 के बीच, सऊदी अरब में धीरे–धीरे साहा (जागृति) आंदोलन का उदय हुआ, जिसे इस्लामिक जागृति आंदोलन भी कहा जाता है। इसने सुन्नी इस्लाम के एक कठोर, शुद्धतावादी रूप को आगे बढ़ाया जिसे वहाबिज्म कहा जाता है। साल 1979 तक मक्का में ग्रैंड मस्जिद पर कब्जा करने के बाद, सीपीवीपीवी की शक्तियां और अराजक हो गई थीं। तब कुछ पुस्तकों को जलाया गया, संगीत वाद्ययंत्रों को नष्ट किया गया, विरोध करनेवालों की मार–पिटाई हुई। दहशत फैलाने के वास्ते सर्वाधिक महिलाएं दण्डित की गयीं। मार्च 2002 में मक्का के एक गर्ल्स स्कूल में आग लगने से 15 स्कूली छात्राओं की मौत हो गई थी। कथित तौर पर यह मुतव्वीन द्वारा उचित पोशाक न पहनने के कारण छात्राओं को इमारत से बाहर जाने से रोकने के कारण हुआ था। इस कांड ने धार्मिक पुलिस पर कई सवाल खड़े किये। इसके बाद के दशक में, सीपीवीपीवी की शक्तियां धीरे–धीरे कम होती गईं, 2016 आते–आते क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने आधुनिक सऊदी समाज में धार्मिक पुलिस की भूमिका को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया। सऊदी अरब में सीपीवीपीवी अभी भी मौजूद है, लेकिन उसके पास अब पुलिस जैसी शक्तियां नहीं हैं, वह दंड देने में भी असमर्थ है, और केवल कानून प्रवर्तन को उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकता है। उल्लंघन के लिए दंड कम कर दिए गए हैं, कोड़े मारने जैसी सजाओं की जगह जुर्माने ने ले ली है। फिर भी, आप ये न समझें कि सऊदी समाज में एकदम खुलापन आ गया। अब भी सऊदी फैशन शो के ड्रेस कोड संस्कृति मंत्रालय ने निर्धारित कर रखे हैं। जैसे, अभद्र भाषा वाले कपड़े या सामान्य शिष्टाचार का उल्लंघन करने वाली तस्वीरों, आकृतियों, संकेत वाले परिधान न पहने जाएं, पारदर्शी कपड़े नहीं। केवल घुटने और कोहनी के नीचे शालीन कपड़े, सार्वजनिक रूप से नाइटवियर या टू पीस नहीं। तंग, त्वचा से चिपके हुए या पारदर्शी कपड़े नहीं। वहीं कोई भी धार्मिक प्रतीकात्मक आभूषण नहीं, जो इस्लामी न हो। फैशन मॉडलिंग की दुनिया में दर्जनों अरब और मुस्लिम महिलाएं दरपेश हैं, जो अपनी विरासत को गर्व के साथ पहनती हैं। वो इतिहास बनाती हैं, और वर्जनाओं को तोड़ती हैं। पेरिस और मिलान के प्रतिष्ठित फैशन शोज में लग्जरी ब्रांडों को प्रोमोट करती हैं। ये मुस्लिम मॉडल रैम्प पर बोल्ड हैं, और बोलने में बेबाक। अमीरा अल जुहैर, औआतिफ सादी, अस्मा अल्तुर्क, अजा स्लीमीन, बेला हदीद, फरीदा खेलफा, गिगी हदीद, हबीबा एल–कोब्रोसी, हलीमा अदन, हाना बेन अब्देसलेम, हिंद साहली, इमान मोहम्मद अब्दुलमाजिद, इमान हम्माम, नोरा अट्टल, शाहद सलमान, शनीना शेख, सोनिया अम्मार, तलीदाह तामर, उगबाद आब्दी आज की तारीख में वैसे इस्लाम की तस्वीर रैंप के जरिये पेश कर रही हैं, जो खुले में सांस ले रहा है। अमीरा अल जुहैर एक सऊदी अरब की मॉडल हैं जो अपनी खूबसूरती और बुद्धिमत्ता के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने पेरिस फैशन वीक और मिलान फैशन वीक के रनवे पर वॉक किया है, और बरबेरी, प्रादा से लेकर डोल्से एंड गब्बाना और ब्रुनेलो कुचिनेली जैसे विश्व प्रसिद्ध ब्रांड के साथ काम किया है। मोरक्को की मॉडल औआतिफ सादी ने पेरिस फैशन वीक और न्यूयॉर्क फैशन वीक के रनवे पर वॉक किया है और गुच्ची, एडिडास, गैलरीज लाफायेट, बर्शका और एटनिया बार्सिलोना के अभियानों में शामिल रही हैं। अस्मा अल्तुर्क एक सऊदी मॉडल हैं जो एटलियर हेकायत, नफिसका स्कोर्टी और मोजामाजका जैसे क्षेत्रीय डिजाइनरों की पसंदीदा हैं। अजा स्लीमीन एक ट्यूनीशियाई मॉडल हैं, जिन्हें एजेडीन अलाया ने ढूंढा और प्रशिक्षित किया। स्लीमीन मानवतावादी भी हैं, और इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर ह्यूमन राइट्स और 'नो मोर प्लास्टिक' कंपनी के लिए ब्रांड अम्बेसडर के रूप में काम करती हैं।

फैशन की दुनिया में फिलिस्तीनी–डच मॉडल बेला हदीद को शायद ही किसी परिचय की जरूरत है, लेकिन इतना कहना ही काफी है कि बेला हदीद दुनिया की सबसे बड़ी सुपरमॉडल में से एक है। हदीद फिलिस्तीनी अधिकारों की मुखर समर्थक भी हैं। ऐसे ही अल्जीरियाई मॉडल और डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता फरीदा खेलफा फैशन उद्योग में एक किंवदंती हैं। वह अल्जीरिया की पहली मॉडल के रूप में प्रसिद्ध हैं। उनका कैरियर 1980 के दशक में शुरू हुआ, जब उन्होंने प्रसिद्ध फोटोग्राफर जीन–पॉल गौडे का ध्यान आकर्षित किया। फिलिस्तीनी–डच मॉडल गिगी हदीद ने विक्टोरिया सीक्रेट फैशन शो और दुनिया भर के प्रमुख फैशन वीक के रनवे की शोभा बढ़ाई है। मिश्र की मॉडल हबीबा एल–कोब्रोसी ने मिश्र में माइकल सिन्को के शानदार फैशन शो की शुरुआत करते हुए एक शानदार 'क्लियोपेट्रा' ड्रेस पहनी थी। रनवे और कैंपेन में मॉडलिंग करने के अलावा, वह टाइक्वांडो ट्रेंड हैं, और 2023 में मिश्र की फिल्म, 'मिस्टर एक्स' में अभिनय कर चुकी हैं। सोमाली–अमेरिकी मॉडल हलीमा अदन ने इतिहास रच दिया जब वह मिस मिनेसोटा का खिताब जीतने वाली पहली हजीबी बनीं। ट्यूनीशियाई मॉडल हाना बेन अब्देसलेम लैंकोमे के अंतर्राष्ट्रीय अभियान में दिखाई देने वाली पहली अरब महिला थीं, और बाद में ब्यूटी ब्रांड की पहली मुस्लिम प्रवक्ता बनीं। मोरक्कन मॉडल हिंद साहली जितनी खूबसूरत हैं, उतनी ही फैशन उद्योग में मुसलमानों के बारे में रूढ़िवादिता को बदलने के लिए भी जुनूनी हैं। उन्होंने लोवे, केंजो, मार्क जैकब्स और अन्य प्रमुख ब्रांड के लिए कैट वॉक किया है।

अस्सी पर भारी पड़ती भोजन की थाली

प्रेम शर्मा

देश में सरकार किसी भी पार्टी की रही उसने हमेशा ही बीस और अस्सी के हिसाब से आकलन करते हुए आकड़े पेश किये इसका परिणाम यह हुआ कि अल्प आय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को हमेशा ही कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। वर्तमान समय में देश की अस्सी प्रतिशत जनता को भोजन की थाली महंगी पड़ रही है। इसके पीछे वही कारण सामने आ रहे है जिनकी हमेशा चर्चा होती रही। मंहगाई को लेकर विपक्ष तो हमेशा महौल बनाता रहा लेकिन सत्तारूढ़ दल या उनके नेता वही बीस प्रतिशत धनी और सरकारी सेवारत संख्या के आधार पर मंहगाई को नकारते रहे। उनके सामने देश की लगभग आधी आबादी जिसकों गरीबी के आधार पर गेहूँ,चावल और मोटा अनाज निःशुल्क देने वाली सरकारों ने उसके अलावा उनकी अन्य जरूरतों की तरफ ध्यान ही नही दिया। भारत में मुद्रास्फीति की दर सितंबर में बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई। जो अगस्त 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। एनएसओ के डेटा के मुताबिक, खाने–पीने की चीजों की महंगाई सितंबर महीने में उछलकर 9.24 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने यानी अगस्त में 5.66 प्रतिशत और एक साल पहले 6.62 प्रतिशत के थी। सबसे खास बॉत तो यह कि किसी भी सरकार ने खुदारा बाजारों में नियंत्रण के लिए कोई मजबूत तंत्र नही बनाया जिससे खुदारा बाजारों की मनमानी पर रोक लगाई जा सके। जिसका परिणाम यह होता है कि साल की शुरूआत, अन्त या मध्य में किसी भी समय आम आदमी की भोजन की थाली ही उसे भारी पड़ने लगती है। कुछ आकड़ों के आधार पर हमारे देश में 65 प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा के नीचे अपना जीवनयापन कर रहे हैं। खासकर गांवों में 72 प्रतिशत अधिक गरीब लोग रहते हैं क्योंकि ये लोग थोड़ी सी जमीन पर खेती कर के अपना जीवनयापन करते हैं और बिना पानी के खेती मानसून पर निर्भर है। देखा जाए तो सरकार के अनुसार 81.35 करोड़ भारतीय मुफ्त अनाज पाते हैं और इस स्कीम का नाम प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना है। अर्थात सरकार स्वयं 81.35 करोड़ लोगों को गरीब मानती है। अगर सरकार के इस आकड़े को ही सही मान लिया जाए तो आज इस जनसंख्या के लोगों को भोजन की थाली भारी पड़ रही है। अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों की खबरें सबको अच्छी लगती हैं, लेकिन अगर इस चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने–पीने के सामान में भी कटौती करनी पड़े, तब यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावों के दायरे में कौन है! अन्य जरूरी सामान के साथ–साथ खाद्य पदार्थों की चढ़ी हुई कीमतों ने पहले ही आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करना शुरू कर दिया था, लेकिन इस बीच पिछले कई महीनों से सब्जियों के दाम लगातार इस स्तर पर बने हुए हैं कि लोगों की थाली से सब्जियां भी गायब रहने लगी हैं। मुश्किल सिर्फ मै सब्जियों तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और अनाजों की खरीदारी के वक्त भी लोगों को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ जाता है। बुधवार को जारी एक एजंसी की ताजा रपट के मुताबिक शाकाहारी थाली की कीमत में एक वर्ष पहले की समान अवधि की तुलना में बीस फीसद तक की बढ़ोतरी हो गई है। दरअसल, कम आय वर्ग के लोगों के लिए पिछले कई महीनों से खाने–पीने का सामान सहजता से खरीदना मुश्किल ही था। मगर अब स्थिति यह हो गई है कि ऐसे लोग अक्सर दिख जाते हैं, जो बाजार में सब्जियों की कीमतें पूछते हैं और बिना खरीदे मायूस मन के साथ आगे बढ़ जाते हैं। दरअसल, कम आय वर्ग के लोगों के लिए पिछले कई महीनों से खाने–पीने का सामान सहजता से खरीदना मुश्किल ही था। मगर अब स्थिति यह हो गई है कि ऐसे लोग अक्सर दिख जाते हैं, जो बाजार में सब्जियों की कीमतें पूछते हैं और बिना खरीदे मायूस मन के साथ आगे बढ़ जाते हैं। रपट के मुताबिक, अक्तूबर में प्याज की कीमतें सालाना आधार पर छियालीस फीसद बढ़ीं, जबकि आलू के दाम में इक्यावन फीसद का इजाफा हुआ। इसी तरह, टमाटर के भाव उनतीस रुपए प्रति किलोग्राम से आगे बढ़ते हुए एक वर्ष पहले की समान अवधि के मुकाबले अस्सी और सौ रुपए प्रति किलोग्राम हो गए। टमाटर सौ रुपए प्रतिकिलो या इससे ज्यादा भाव पर भी बिका। अन्य कई हरी सब्जियां भी आमतौर पर अस्सी या सौ रुपए प्रति किलो बिक रही हैं। यही नही जिस प्याज के बढ़े दामों से कई बार सरकार हिल चुकी है वही प्याज एक बार फिर सौ के करीब चल रही है। जबकि भोजन की थाली में सब्जियां एक तरह का संतुलन बनाती हैं। अब इनके लगातार महंगे बने रहने का असर दालों की कीमतों पर भी पड़ा है। सच यह है कि महंगाई एक दुश्चक्र की तरह लोगों के लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है और एक समय तात्कालिक कारणों से बाजार में उतार–चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी हैं। एक समय कई बार लोग कुछ समय तक समझौता करके महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। लेकिन अब महंगाई में निरंतरता की वजह से संतुलित भोजन पहुंच से बाहर हो रहा है। एक ओर, रिजर्व बैंक महंगाई को काबू में रखने के लिए कुछ कदम उठाता रहता है, तो दूसरी ओर सरकार आए दिन लोगों को भरोसा देती रहती है। हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी–रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे हैं कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या– क्या होनी चाहिए। ज्यादातर लोगों की आय में कमी होने या काम–धंधे में मंदी की स्थिति कायम रहने की वजह से उनकी क्रयशक्ति लगातार सिकुड़ती गई है। कई मामलों में सामान की खरीदारी में कटौती की आंच अब थाली तक भी पहुंच चुकी है। यह एक दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम में इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है। हालत यह है कि निम्न मध्यवर्गीय परिवारों के लिए भी खाने–पीने के सामान की कीमतें पहुंच से बाहर हो रही हैं। ऐसे में देश की गरीब आबादी के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं। यह समझना बहुत मुश्किल नहीं है।

कोई तो इसे रोक लो... शहनाज गिल ने अपनी बैक फ्लॉन्ट कर फैंस को बना दिया दीवाना

> इंस्टाग्राम पर उनके द्वारा शेयर की गई यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गई, जिससे उनके फॉलोअर्स उनकी शानदार काया को देखकर दंग रह गए। तस्वीर में शहनाज एक शानदार आउटफिट पहने नजर आ रही हैं, जो उनकी पीठ को उभार रहा है। वह एक स्टाइलिश पिंक क्रॉप टॉप में अपनी टोन्ड बैक एब्स को फ्लॉन्ट कर रही हैं, जिसे उन्होंने ब्लू डेनिम जींस के साथ पेयर किया है।

बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल को भला आज किसी पहचान की क्या जरूरत है। कभी अपने फैटी लुक को लेकर ट्रोल होने वाली ये एक्ट्रेस अब पूरी तरह से बदल चुकी हैं। उनके ट्रांसफॉर्मेशन ने अच्छे–अच्छों को हैरान कर दिया था। अब पंजाब की कैटरीना ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट से फैन्स का ध्यान खींचा है, जिसमें वह अपनी टोन्ड बैक को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर उनके द्वारा शेयर की गई यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गई, जिससे उनके फॉलोअर्स उनकी शानदार काया को देखकर दंग रह गए। तस्वीर में शहनाज एक शानदार आउटफिट पहने नजर आ रही हैं, जो उनकी पीठ को उभार रहा है। वह एक स्टाइलिश पिंक क्रॉप टॉप में अपनी टोन्ड बैक एब्स को फ्लॉन्ट कर रही हैं, जिसे उन्होंने ब्लू डेनिम जींस के साथ पेयर किया है। उन्होंने अपनी प्राकृतिक सुंदरता को प्रदर्शित करते हुए मेकअप लाइट ही रखा। इस तस्वीर के सामने आने के बाद फैंस के कमेंट की बौछार आ गई है। एक यूजर ने लिखा–ओए होए कोई तो रोक लो। दूसरे ने लिखा–हाए ये कमर। तीसरे यूजर ने कमेंट किया–आपकी आंखों में वो चमक है। किसी का भाई किसी की जान की अभिनेत्री ने पहले प्रशंसकों को अपने नाश्ते की झलक दिखाई थी। उन्होंने हरी चटनी और दही के साथ परोसे गए प्लेट में पराठे की तस्वीर पोस्ट की। गिल ने पैनकेक जैसे दिखने वाले स्लाइस की एक तस्वीर भी पोस्ट की, जिसके ऊपर चीनी या शहद की चाशनी और ताजे फल की एक बूंद डाली गई। काम के लिहाज से, शहनाज गिल सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो बिग बॉस 13 में दिखाई देने के बाद एक लोकप्रिय नाम बन गईं, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं। इसके बाद, अभिनेत्री ने पीछे मुड़कर नहीं देखा, क्योंकि वह कई संगीत वीडियो में नजर आईं। 2023 में, उन्होंने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की, जहां उनकी जोड़ी राघव जुयाल के साथ बनाई गई थी। वह एकता कपूर और रिया कपूर द्वारा समर्थित प्रोजेक्ट थैंक यू में भी नजर आईं। शहनाज गिल को हाल ही में राज शांडिल्य की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था।

कियारा आडवाणी और राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर का टीजर का हुआ रिलीज

पैन–इंडिया फिल्म गेम चेंजर का बहुप्रतीक्षित टीजर, जिसका निर्देशन एस. शंकर ने किया है और जिसमें कियारा आडवाणी और राम चरण मुख्य भूमिकाओं में हैं, आखिरकार रिलीज हो गया है। निर्माताओं ने लखनऊ में इस टीजर का भव्य अनावरण किया, जहां दर्शक अपनी पसंदीदा अभिनेत्री कियारा आडवाणी को देखकर उत्साहित हो उठे। लखनऊ में कियारा आडवाणी और राम चरण के साथ हुए इस टीजर लॉन्च इवेंट में फैन्स का सैलाब उमड़ पड़ा। गॉर्जियस और बहुमुखी कियारा आडवाणी पहली बार राम चरण और प्रशंसित निर्देशक एस. शंकर के साथ टीम बना रही हैं, और टीजर में उनकी झलक ताजगी और आकर्षण से भरपूर है। पिछले कुछ वर्षों में, कियारा ने अपने दमदार अभिनय और कुछ आइकॉनिक किरदारों के कारण पैन–इंडिया पहचान बनाई है, और गेम चेंजर ने उनके करियर में एक और पैन–इंडिया सफलता का ताज जोड़ दिया है। इस बात में कोई शक नहीं कि कियारा आडवाणी की स्क्रीन प्रेजेंस जादुई है, और फैंस एवं दर्शक उनकी और राम चरण की केमिस्ट्री को बेहद पसंद कर रहे हैं। राम चरण का नाम न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में गूंजता है। गेम चेंजर एक सिनेमाई महाकाव्य बनने के लिए तैयार है, जो 9 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कियारा आडवाणी और राम चरण के नेतृत्व में, यह फिल्म निस्संदेह पूरे देश और विदेश में हलचल मचाने वाली है।

विक्रांत मैसी के साथ राशि खन्ना की एक प्यारी सी तस्वीर ने खींचा फैंस का ध्यान

अभिनेत्री राशि खन्ना अपनी आगामी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं और उन्होंने फिल्म के सेट से एक प्यारा वीडियो शेयर किया है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर सह–कलाकार विक्रांत मैसी के साथ एक मधुर पल की झलक अपने फैंस के साथ शेयर की। क्लिप में विक्रांत को राशि के कान के पीछे नजर का टीका लगाते हुए देखा जा सकता है, जो लगता है उन्हें बुरी नजर से बचाने के लिए किया गया है। इस मनमोहक पल ने प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, एक दोस्त ऐसा होना चाहिए, नजर मत लगाओ। द साबरमती रिपोर्ट साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगने की घटना पर आधारित है। यह दुखद घटना 27 फरवरी, 2002 को हुई थी, जब गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस के एस6 कोच में भीड़ ने आग लगा दी थी। फिल्म में अभिनेत्री एक अंग्रेजी पत्रकार की भूमिका निभा रही है, जो सिस्टम के खिलाफ खड़ी होती है क्योंकि वह चाहती है कि रिपोर्ट में सच्चाई को शामिल किया जाए। राशि और विक्रांत पत्रकारों की भूमिका निभाते हैं जो भारत की सबसे विवादास्पद घटनाओं में से एक के पीछे की क्रूर सच्चाई को उजागर करने के लिए एक साथ आते हैं। फिल्म में गुजरात के गोधरा के पास 2002 में साबरमती एक्सप्रेस के आसपास की दुखद घटनाओं को दिखाया गया है। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में उनके अभिनय ने पहले ही एक मजबूत प्रभाव डाला है, जिससे दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स, विकिर फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, 'द साबरमती रिपोर्ट' शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'द साबरमती रिपोर्ट' के अलावा, राशि विक्रांत के साथ 'तलाखों में एक' में फिर से नजर आएंगी, यह एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो अपनी रिलीज से पहले ही चर्चा बटोर रहा है। राशि तेलुगु फिल्म 'तेलुसु कड़ा' में भी अभिनय करने वाली हैं।

सोनू सूद के कंधों पर आई बड़ी जिम्मेदारी, थाईलैंड के ब्रांड एंबेसडर बने एक्टर

कोरोना काल में लोगों के मसीहा बनकर उभरे बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है। हाल ही में सोनू सूद को नई उपलब्धि हासिल हुई है। एक्टर को थाईलैंड के पर्यटन मंत्रालय ने देश का 'ब्रांड एंबेसडर' और 'मानद पर्यटन सलाहकार' बनाया है। इस खबर के बाद सोनू के फैंस बेहद खुश हैं और वे उन्हें लगातार बधाइयां दे रहे हैं। यह जानकारी अपने फैंस के साथ शेयर करते हुए सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, श्थाईलैंड में पर्यटन के लिए ब्रांड एंबेसडर और सलाहकार के रूप में नियुक्त होने पर सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूँ। मेरी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा मेरे परिवार के साथ इस खूबसूरत देश में थी और अपनी नई भूमिका में मैं देश के शानदार परिदृश्यों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सलाह देने और बढ़ावा देने के लिए उत्साहित हूँ। आप सभी के प्यार और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। एक्टर के इस पोस्ट को फैंस और उनके करीबी दोस्त व सेलेब्स खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। थाईलैंड सरकार से मिली नई जिम्मेदारी के तहत अब सोनू सूद भारत से थाईलैंड आने वाले पर्यटकों के लिए एक कनेक्शन का काम करेंगे। इस भूमिका के लिए सोनू सूद को ऑनरी टूरिज्म एडवाइजर का एक खास प्रमाणपत्र भी दिया गया है। काम की बात करें तो सोनू सूद जल्द ही फिल्म फतेह में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस भी दिखेंगी।

ठोको ताली..! कपिल के शो में 5 साल बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने की वापसी, लोगों ने पूछा- अब अर्चना का क्या होगा

> खबरों की मानें तो कभी द कपिल शर्मा शो की जान रहे नवजोत सिंह सिद्धू फिर से शो में जज के तौर पर वापसी कर सकते हैं। ऐसे में लोगों को अर्चना की चिंता सताने लगी है। दरअसल नवजोत सिंह सिद्धू को अर्चना ने साल २०१९ में रिप्लेस कर दिया था।

नवजोत सिंह सिद्धू और अर्चना पूरन सिंह के बीच खास नाता है। भले ही इन दोनों ने एक साथ काम नहीं किया लेकिन इनका पद एक ही रहा है। कॉमेडियन कपिल शर्मा और उनका द ग्रेट इंडियन कपिल शो की जज अर्चना से उनकी कुर्सी छिनी जा सकती है। खबरों की मानें तो कभी द कपिल शर्मा शो की जान रहे नवजोत सिंह सिद्धू फिर से शो में जज के तौर पर वापसी कर सकते हैं। ऐसे में लोगों को अर्चना की चिंता सताने लगी है। दरअसल नवजोत सिंह सिद्धू को अर्चना ने साल 2019 में रिप्लेस कर दिया था। बताया जाता है कि सिद्धू को पुलवामा आतंकी हमले को लेकर दिए गए बयान के बाद कपिल के शो से हटा दिया गया था। उसके बाद से ही कॉमेडियन कपिल अपने शो की जज को कुर्सी का ताना मारते रहे हैं। अब लगता है कि कपिल की बात सच हो रही है और अर्चना पर पद उनसे छीना जा सकता है। दरअसल हाल ही में एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें नवजोत सिंह सिद्धू को अर्चना पूरन सिंह की कुर्सी पर बैठे देखा गया। वह जैसे ही शो में एंट्री लेते हैं ऑडियंस खुशी से झूम उठती है। वीडियो में देखा गया कि अपनी आखों के सामने नवजोत सिंह सिद्धू को बैठे देखकर एक बार तो कपिल शर्मा को यकीन नहीं होता, फिर पूर्व क्रिकेटर उनसे कहते हैं– ध्यान से देख मैं नवजोत हूं, इसके बाद अर्चना पूरन सिंह भागती हुई आती हैं और कपिल से कहती हैं– उन सरदार साहब से बोल दे कि मेरी कुर्सी से उठ जाएं, कब्जा करके बैठ गए हैं। इसके बाद शो में हरभजन सिंह नजर आते हैं. वो कहते हैं– दुनिया कुछ भी कहे किसी के कहने से कोई बुद्धू नहीं बन जाता, कुर्सी पर कोई भी बैठ जाए पर कोई सिद्धू नहीं बन जाता. इसके बाद नवजोत सिंह सिद्धू हरभजन को गले लगाते हैं। शो में कुर्सी को लेकर रस्साकसी देखने को मिलती है। अब बस देखना यह है कि ये कुर्सी किसके हाथ लगती है।

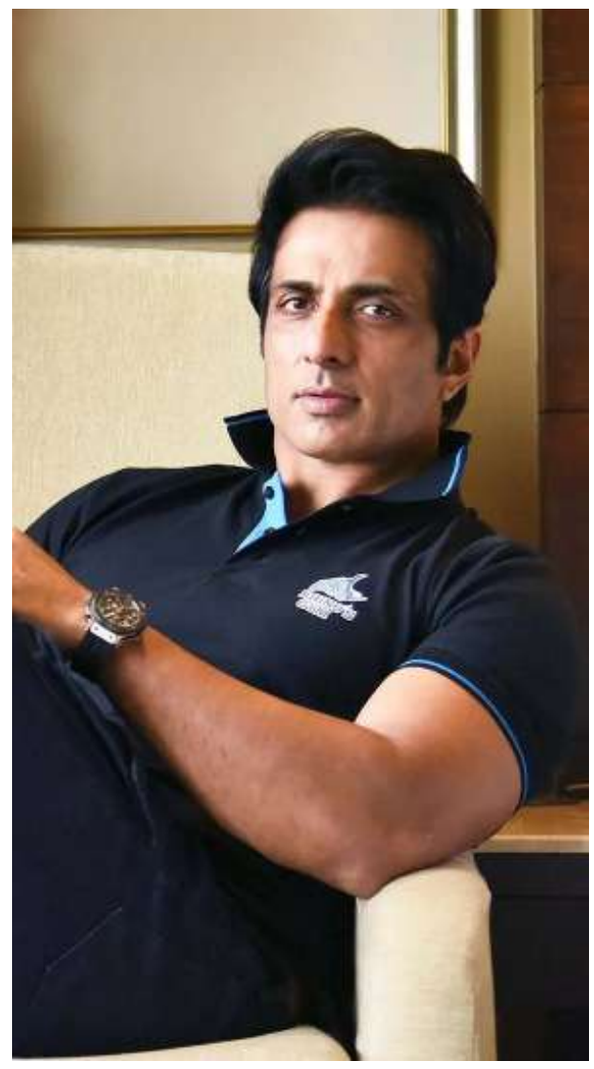

पाचन की समस्याओं को दूर करने के लिए घर पर बनाएं आंवले खट्टी-मिठी डाइजेस्टिव गोली, नोट करें रेसिपी

आंवला एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। आंवला इम्यूनिटी बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। आंवले के सेवन से हेल्थ ठीक रहती है। आंवले का जूस पीने से शरीर हेल्दी है। आंवले को डाइट में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक होता है। आप भी अपने घर पर बेहद आसान तरीके से डाइजेस्टिव खट्टी–मीठी गोलियां बनाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े भी खूब खाना पसंद करेंगे।

आंवले की खट्टी–मीठी गोली बनाने के लिए सामग्री

– 500 ग्राम आंवला
– एक कप गुड़
– सेंधा नमक स्वादानुसार
– काला नमक एक चम्मच
– काली मिर्च पाउडर एक चम्मच
– भुना जीरा एक चम्मच
– आधा कप पिसी चीनी
– एक चौथाई चम्मच हींग
– नींबू का रस

आंवले की खट्टी–मीठी गोली बनाने की विधि

– इसके लिए आप आंवले को अच्छे से धो लें। इसके बाद कूकर में उबाल लें।

– उबले आंवले को कूकर से निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडे हो जाएं तो आवले की गुठली को निकाल दें।

– अब आप आंवलों को मिक्सी में डालकर पीस लें और पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि आंवला बारीक पीसा हुआ। पीसने में पानी का थोड़ा इस्तेमाल करें।

– इसके बाद पैन गर्म करें और एक कप गुड़ डालें। इसके साथ ही पिसा हुआ आंवले का पेस्ट भी जरुर डालें।

– धीरे–धीरे मिक्स करते हुए आप इसे भूनें। गैस को धीमा ही रखें फिर अब इसमें सारे मसाले डाल दें। भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, हींग, काला नमक, सेंधा नमक सब डाल दें, फिर इसे अच्छे से भूनें।

– आप इसे जब तक चलाएं कि ये गाढ़ा ना हो जाए। जब गाढ़ा हो जाए तो इक्ट्ठा तो गैस को बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।

– प्लेट पर पिसी चीनी डालें और तैयार आंवले की छोटी गोली बनाएं और पिसी चीनी को इस पर लपेटें।

– तैयार है आपकी डाइजेस्टिव खट्टी–मीठी आंवले की गोली।

छठ पर्व भी खत्म दिवाली भी गई फिर क्यों हो रही है लंबी छुट्टियां ? अब इतने दिन बंद रहेंगे बैंक और स्कूल

छात्रों के लिए खुशखबरी है, क्योंकि नवंबर में छुट्टियों की भरमार जो मिल रही है। 12 नवंबर से तीन दित तक सरकारी छुट्टी है, यानी कि बच्चों के साथ– साथ सरकार कर्मचारियों की भी मौज होने वाली है। कुछ राज्यों में छठ पूजा के मौके पर 7 से 10 नवंबर 2024 तक चार दिन लगातार बैंकों का अवकाश रहा। इससे कर्मचारियों को तो राहत मिली लेकिन आम जनता को थोड़ी परेशानी झेलनी पड़ी। 12 नवंबर, 13 नवंबर और 15 नवंबर को देश के

अलग–अलग राज्यों में सरकारी छुट्टी है। इस दौरान स्कूल, कॉलेज और बैंक बंद रहने वाले हैं।12 नवंबर को इगास पर्व है जिसे बूढ़ी दिवाली के नाम से जाना है। इसलिए कई राज्यों में इस दिन सरकारी अवकाश है। 14 नवंबर को हर साल बाल दिवस मनाया जाता है। इस दिन स्कूलों में मौज मस्ती ही होती है। कई जगह स्कूल हाफ डे ही खुलते हैं और उनमें भी सांस्कृतिक कार्यक्रम ही होते हैं। बाल दिवस पर कई स्कूलों में 14 नवंबर को अवकाश भी रह सकता है। उत्तर भारत में 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती की छुट्टी होती है। 15 नवंबर को शुक्रवार है ऐसे में शनिवार की भी छुट्टी मिलती है तो पेरेंट्स बच्चों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। इस बार नवंबर महीने की शुरुआत ही दिवाली की छुट्टियों के साथ हुई थी। नवंबर 2024 में 1 से 3 तारीख तक ज्यादातर जगहों पर छुट्टी रही। यह दिवाली के क्रम में दी जाने वाली छुट्टियां थी, जिनमें गोवर्धन पूजा और भाई दूज का पर्व भी पड़ा। हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को देशभर में बैंकों का अवकाश रहता है, ऐसे आज भी बैंक बंद रहे। 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती, कार्तिक पूर्णिमा और राहास पूर्णिमा के कारण कई राज्यों में बैंकों का अवकाश रहेगा। बैंकों की छुट्टी के दौरान आप डिजिटल बैंकिंग के जरिये अपना काम कर सकते हैं. इंटरनेट बैंकघ्गि के माध्यम से आप किसी भी समय और किसी भी जगह से लेनदेन कर सकते हैं।

कोयले से बने चारकोल फेस मास्क से मिलेगी दमकती बेदाग त्वचा, घर पर ऐसे बनाकर करें तैयार

हर फंक्शन और त्योहारों के मौके पर लोग अपने स्किन का खास ख्याल रखते हैं। वहीं धूल, मिट्टी, पसीने और पॉल्यूशन का भी स्किन पर बुरा असर पड़ता है। फिर भले ही आप फेस वॉश के इस्तेमाल से चेहरे की गंदगी साफ हो जाती है, लेकिन इसकी संभावना अधिक है कि केमिकल वाले ये फेस वॉश आपकी त्वचा को ड्राई कर सकते हैं या फिर पिंपल्स ला सकते हैं। आमतौर पर स्किन से गंदगी साफ करने के लिए हमारी पहली चॉइस चारकोल फेसवॉश होती है। बता दें कि मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स में कई केमिकल्स मिले होते हैं। अगर हम आपसे कहें तो आप घर पर 2 टुकड़े कोयले की मदद से फेस मास्क बना सकते हैं। चेहरे के अंदर तक की गंदगी को साफ कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर कोयले से बने फेस मास्क बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्किन बेनिफिट्स

फेस पर चारकोल का इस्तेमाल करने से गंदगी को साफ करने के लिए किया जाता है। यह हमारी त्वचा से एक्स्ट्रा तेल को साफ करने, स्किन टोन को इवन करने और पोर्स को क्लीन करने में मदद करता है। इससे आपकी त्वचा हमेशा चमकती रहती है।

चारकोल फेस मास्क की सामग्री

कोयला– 2 टुकड़े (3–3 इंच के)

नींबू– 2

मुल्तानी मिट्टी– –1/2 चम्मच

एलोवेरा जेल– 1 चम्मच

गुलाब जल– जरूरत अनुसार

नोट– आप चाहें तो मुल्तानी मिट्टी की जगह इसमें बेसन या फिर दही डाल सकते हैं। वहीं गुलाबजल न होने पर आप इसमें नॉर्मल पानी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे बनाएं चारकोल फेस मास्क

सबसे पहले एक बाउल में एक चम्मच कोयला पाउडर, एलोवेरा जेल, 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी और जरूरत अनुसार गुलाबजल डालकर इन सभी को अच्छे से मिक्स कर लें।

ऐसे करें अप्लाई

इस चारकोल फेस को 10 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई करें और इसको सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर फेस वॉश कर लें, आप देखेंगे कि चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी और चेहरे पर निखार भी आएगा।

आप इसको सप्ताह में दो बार इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा साफ होगी।

इन चीजों का करें इस्तेमाल

इस फेस मास्क में आप मुल्तानी मिट्टी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें, तो इसके बेसन या दही भी एड कर सकते हैं। क्योंकि यदि आप इन चीजों को नहीं मिलाते हैं, तो डायरेक्ट कोयला चेहरे पर लगाने से फेस काला पड़ सकता है। वहीं बेसन और मुल्तानी मिट्टी हमारी स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

पत्नी के साथ विदेश घूमने का सपना होगा पूरा, जेब भी ज्यादा नहीं होगी ढीली

ऐसा शायद ही कोई होगा, जिसको विदेश घूमने का शौक नहीं होगा। हर कोई साल में एक बार फॉरेन ट्रिप तो जरूर करना चाहता होगा। लेकिन कई लोग बजट के कारण विदेश नहीं जा पाते हैं। ऐसे में अगर आप विदेश घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन बजट के कारण नहीं जा पा रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ ऐसे सस्ते विदेश ट्रिप लेकर आए हैं, जो आपके बजट में फिट बैठ जाएंगे।

आप इन जगहों पर घूमने के साथ–साथ एक से एक बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। बता दें कि इन जगहों पर घूमने के लिए आपको करीबर 1 से 2 लाख रुपए के बीच खर्च आएगा। तो आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

सामोआ

दक्षिण प्रशांत महासा्गर में स्थित सामोआ एक छोटा सा द्वीप राष्ट्र है, जोकि हवाई और न्यूजीलैंड के बीच में पड़ता है। सामोआ पोलिनेशिया का भी हिस्सा है और कई छोटे–छोटे द्वीपों से मिलकर बना है। सामोआ अपने हरे–भरे नजाओं, जीवंत संस्कृति और प्राचीन समुद्र तटों के लिए जाना जाता है।

बारबाडोस

बारबाडोस पूर्वी कैरिबियन में स्थित है, यह जगह समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, समुद्र तटों और जलवायु के लिए जानी जाती है। इस देश की राजधानी ब्रिजटाउन है। जो सबसे बड़े शहर के रूप में फेमस है। बारबाडोस अपने सफेद–रेतील, कोरम रीफ्स और क्रिस्टल वॉटर के लिए फेमस है। यह पर्यटकों के लिए फेमस डेस्टिनेशन है। यहां पर आप स्कूबा डाइविंग और स्नॉर्कलिंग जैसी कई एक्टिविटीज कर सकते हैं।

नेपाल

नेपाल भी अपने खूबसूरत नजारों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। नेपाल की हिमालय रेंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यहां पर हिमालय की ऊंची–ऊंची चोटियां जैसे माउंट एवरेस्ट दुनियाभर में फेमस है। यहां की राजधानी और सबसे बड़ा शहर काठमांडी देश की आर्थिक, संस्कृति और राजनीति का केंद्र बना हुआ है।

भूटान

बता दें कि भूटान एक छोटा लैंडलॉक राज्य है। यह पूर्वी हिमालय में स्थित है, जोकि भारत और चीन से सीमाबद्ध है। यहां पर हैरान कर देने वाले पहाड़ी नजारों, पर्यावरण संरक्षण और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। भूटान को श्अंतिम शांगरी–लाश के रूप में जाना जाता है।

मालदीव

मालदीव भी कपल्स के लिए जन्नत से कम नहीं है। यह भारतीय महासागर में स्थित है। बता दें कि मालदीव श्रीलंका और भारत के दक्षिण–पश्चिम की तरफ पड़ती है। यहां पर हैरान कर देने वाले सफेद–रेतीले समुद्र तटों, समुद्री जीवन और क्रिस्टल वॉटर के लिए जाना जाता है। यह देश की राजधानी माले दुनिया की सबसे छोटी राजधानियों में से एक है।

मॉरीशस

मॉरीशस भारतीय महासागर में स्थित है। यह फिरोजी लैगून, प्राचीन समुद्र तटों और हरे–भरे जंगलों के लिए फेमस है। यह पर्यटकों का फेवरेट डेस्टिनेशन है। जोकि प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता का मिश्रण है। मॉरीशस द्वीप की राजधानी और सबसे बड़ा शहर पोर्ट लुइस देश के आर्थिक और राजनीतिक केंद्र के रूप में काम करने के लिए जाना जाता है।

अनजाने में रोजाना वाइट प्वाइजन खा रहे हैं आप, नहीं छोड़ा तो लगाने पड़ेंगे डॉक्टरों के चक्कर

आजकल लोगों में खाने को लेकर ज्ञान की कमी है, वह अनजाने मे ऐसी चीजों का सेवन कर लते हैं जो आगे चलकर उनके लिए काफी मुश्किलें खड़ी कर सकता है। सर्दियों में कुछ सफेद खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो कुछ खास स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं। यहां कुछ सफेद खाद्य पदार्थ और उनके संभावित नुकसान के बारे में बताया गया है, जिसे अपने थाली से हटा देना ही सही रहेगा।

चीनी

चीनी का अधिक सेवन वजन बढ़ने, डायबिटीज, और इम्यूनिटी में कमी का कारण बन सकता है। ठंड में हमारा शरीर अधिक ऊर्जा की आवश्यकता महसूस करता है, जिससे लोग मीठा खाने की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। लेकिन, यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। डायबिटीज के मरीज, हृदय रोग से पीड़ित लोग और वजन कम करने वाले व्यक्तियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

सफेद चावल

सफेद चावल में फाइबर की कमी होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जिससे यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाता है। डायबिटीज के मरीजों, वजन घटाने वाले और इंसुलिन प्रतिरोध वाले व्यक्तियों को सफेद चावल से बचना चाहिए।

मैदा

मैदा (सफेद आटा) में फाइबर और पोषक तत्व बहुत कम होते हैं। यह पेट में भारीपन, कब्ज और सूजन की समस्या पैदा कर सकता है। पाचन संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोग, डायबिटीज के मरीज, और जो वजन घटाने की प्रक्रिया में हैं, उन्हें मैदे से बने खाद्य पदार्थों का सेवन कम करना चाहिए।

नमक

सर्दियों में नमक का अधिक सेवन हृदय संबंधी समस्याओं, उच्च रक्तचाप और किडनी पर बुरा असर डाल सकता है। ठंड में नमक से पानी की कमी हो सकती है और सूजन की समस्या हो सकती है। उच्च रक्तचाप के मरीज और किडनी से जुड़ी समस्याओं वाले लोग नमक का सीमित सेवन करें।

डेयरी उत्पाद

ठंड में दूध या अन्य डेयरी उत्पाद ठंड और एलर्जी को बढ़ा सकते हैं, जिससे बलगम और सर्दी–खांसी की समस्या हो सकती है। इनसे पेट में भारीपन भी महसूस हो सकता है। जिन्हें सर्दी–खांसी, बलगम या एलर्जी की समस्या होती है, वे ठंड में डेयरी उत्पादों से बच सकते हैं। सफेद खाद्य पदार्थों के बजाय, आप साबुत अनाज, जौ, बाजरा, रंगीन फल और सब्जियां, और गुड़ जैसी चीजों का सेवन कर सकते हैं, जो सर्दियों में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होते हैं।

संक्षिप्त

ज़ोमैटो अब कैंसिल हुए ऑर्डर को नहीं होने देगा बर्बाद, लॉन्च किया नया फीचर

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म से खाना ऑर्डर करना और फिर उसे कैंसिल करना काफी आम है। कई यूजर्स अलग अलग कारणों से खाना ऑर्डर करने के बाद उसे कैंसिल कर देते है। ऐसे में कई बार रेस्टोरेंट का खाना बर्बाद हो जाता है। हालांकि कई रेस्टोरेंट इस खाने को बर्बाद करने की जगह इसे जरुरतमंदों को या फिर डिलीवरी बॉय को दे देते हैं, मगर कई बार ऐसे कैंसिल ऑर्डर्स की संख्या काफी अधिक होती है। इस समस्या का निपटारा करने के लिए फूड डिलीवरी फर्म ज़ोमैटो ने रविवार को रद्द किए गए ऑर्डर से होने वाली खाद्य बर्बादी से निपटने के लिए एक नया ''फूड रेस्क्यू'' फीचर लॉन्च किया। कंपनी के सीईओ दीपिंदर गोयल ने घोषणा की कि अब, रेस्तरां के आस–पास रहने वाले ग्राहक रद्द किए गए खाद्य ऑर्डर को ''बेजोड़ कीमतों'' पर खरीद सकेंगे। गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ''रद्द किए गए ऑर्डर अब आस–पास के ग्राहकों के लिए पॉप अप हो जाएंगे, जो उन्हें उनकी मूल, बिना छेड़छाड़ वाली पैकेजिंग में, अपराजेय मूल्य पर खरीद सकते हैं, और उन्हें कुछ ही मिनटों में प्राप्त कर सकते हैं।'' सीईओ ने कहा कि ग्राहक विभिन्न कारणों से प्रतिदिन 4 लाख से अधिक अच्छे ऑर्डर रद्द कर देते हैं, जबकि कंपनी की रद्दीकरण पर शून्य रिफंड जैसी कठोर नीतियां हैं। पोस्ट में कहा गया है, ''हमारे लिए, रेस्तरां उद्योग के लिए, और यहां तक घ्कि इन ऑर्डरों को रद्द करने वाले ग्राहकों के लिए भी, सबसे बड़ी चिंता यह है कि किसी तरह भोजन को बर्बाद होने से बचाया जाए।'' गोयल ने कहा कि इस नई सुविधा को सभी शहरों में बड़े पैमाने पर लागू किया जा रहा है।

म्यूचुअल फंड के बजाय सीधे शेयर में निवेश करना पसंद करते हैं ज्यादातर युवा वयस्क : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। युवा वयस्कों का एक बड़ा वर्ग म्यूचुअल फंड का रास्ता अपनाने के बजाय सीधे शेयर बाजारों में निवेश करना पसंद करता है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। वित्तीय प्रौद्योगिकी ब्रोकरेज कंपनी एंजेल वन की पहल फिन वन की रिपोर्ट के अनुसार, 93 प्रतिशत युवा वयस्क लगातार बचत करते हैं, जिनमें से अधिकतर अपनी मासिक आय का 20–30 प्रतिशत बचाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शेयर उनका पसंदीदा निवेश विकल्प है। सर्वेक्षण में शामिल 45 प्रतिशत लोगों ने इन्हें सावधि जमा (एफडी) या सोने जैसे अधिक पारंपरिक विकल्पों

पर तरजीह दी है। वर्तमान में 58 प्रतिशत युवा भारतीय निवेशक शेयरों में निवेश करते हैं, जबकि 39 प्रतिशत म्यूचुअल फंड में निवेश करना पसंद करते हैं। ब्रोकरेज कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सावधि जमा (22 प्रतिशत) और आवर्ती जमा (26 प्रतिशत) जैसे सुरक्षित विकल्पों को अपेक्षाकृत कम अपनाया जा रहा है। यह युवाओं के बीच उच्च 'रिटर्न' और स्थिर बचत के बीच संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस रिपोर्ट को 13 से अधिक भारतीय शहरों के 1,600 युवा भारतीयों से मिले जवाबों के आधार पर तैयार किया गया। उनसे पूछे सवाल चार प्रमुख विषयों बचत व्यवहार, निवेश प्राथमिकताएं, वित्तीय साक्षरता तथा प्रौद्योगिकी व वित्तीय साधनों के उपयोग पर केंद्रित थे। इसमें डिजिटल मंच और प्रौद्योगिकी की भूमिका को भी रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 68 प्रतिशत उत्तरदाता नियमित रूप से स्वचालित बचत उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं। अनुशासित बचत आदतों के बावजूद, 85 प्रतिशत युवा भारतीय जीवन की उच्च लागत, विशेष रूप से भोजन, उपयोगिताओं तथा परिवहन को बचत में सबसे बड़ी बाधा मानते हैं। इससे पता चलता है कि बढ़ती जीवन लागत भारत के युवाओं के लिए एक गंभीर चुनौती है।

धान की कटाई में दो प्रमुख राज्यों में देरी के बावजूद गेहूं की बुवाई पटरी पर: कृषि सचिव

नयी दिल्ली। कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने कहा कि गेहूं की बुवाई अच्छी चल रही है और दो प्रमुख उत्तरी राज्यों में धान की कटाई में देरी के बावजूद आने वाले दिनों में इसमें तेजी आने की उम्मीद है। चतुर्वेदी ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, '' आने वाले दिनों में गेहूं की बुवाई में तेजी आएगी।'' उन्होंने बताया कि कुल बुवाई क्षेत्रफल पिछले सप्ताह तक पिछले वर्ष के स्तर को पार गया था। उन्होंने कहा कि मिट्टी की नमी की अनुकूल स्थिति और मौसम गेहूं की बुवाई के लिए सहायक हैं, जिससे डायमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) जैसे उर्वरकों की मांग बढ़ रही है। पंजाब और हरियाणा में भी बुवाई में

तेजी आने की उम्मीद है, जहां देर से हुई मानसूनी बारिश के कारण धान की कटाई में देरी हुई है। हालांकि, चतुर्वेदी ने आगाह किया कि जनवरी–फरवरी में तापमान में किसी भी तरह की वृद्धि पैदावार के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को मौसम संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए जलवायु प्रतिरोधी गेहूं की किस्मों को बढ़ावा दे रही है। चतुर्वेदी ने बताया कि सरसों और चना सहित अन्य शीतकालीन फसलों की बुवाई भी अच्छी चल रही है। देश की मुख्य रबी फसल गेहूं आमतौर पर नवंबर में बोई जाती है और मार्च–अप्रैल में काटी जाती है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।

कोच गंभीर बोले- रोहित के नहीं खेलने पर बुमराह होंगे कप्तान

विराट-राहुल की फॉर्म को लेकर दिया बयान

मुंबई। सोमवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना होने से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ हार से जुड़े मुश्किल सवालों के जवाब देने पड़े। साथ ही उन्होंने टीम की तैयारी और कप्तान रोहित शर्मा की उपलब्धता को लेकर भी बातचीत की। गंभीर ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं यह सोच भी नहीं रहा हूं कि टीम बदलाव के दौर में है। ड्रेसिंग रूम में कुछ शानदार खिलाड़ी हैं जो भविष्य में बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे। बदलाव हो या न हो, ये चीजें भारतीय क्रिकेट में होती रहेंगी।' वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल करने और पेस रोस्टर पर गौतम गंभीर ने कहा, शजब हमने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के लिए चुना था तो आप लोग इसकी भी आलोचना कर रहे थे। यह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा है कि अगली पीढ़ी के खिलाड़ी आगे बढ़ रहे हैं। पेस में भी हमारे पास क्वालिटी है। हमारे पास प्रसिद्ध और हर्षित जैसे डेक पर हिट करने वाले गेंदबाज भई हैं। सभी पांच तेज गेंदबाजों के पास अलग–अलग स्किल है। यह हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण को बहुत शक्तिशाली बनाता है। गंभीर ने ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर कहा, श्हम उनके द्वारा तैयार किए गए विकेटों पर नियंत्रण नहीं रखते हैं। हमें खुद पर ध्यान देना होगा और टीम चुनने में हमने हर बेस को कवर किया है। वे जैसी भी विकेट देते हैं, चाहे वह उछालभरी हों या टर्निंग पिच या फिर हरी घास वाली विकेट, हमने सबके लिए तैयारी की है और वैसे ही खिलाड़ी चुने हैं। हमें अभी भी वहां जाना है और अपनी क्षमता के अनुसार खेलना है। यदि हम ऐसा करते हैं तो हम जीत सकते हैं। हम किसी भी विकेट पर किसी को भी हराने की क्षमता रखते हैं। टेस्ट सीरीज के लिए शार्दुल ठाकुर को नजरअंदाज करने पर गंभीर ने कहा, हमने सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है। यह आगे बढ़ने के बारे में है। जरूरत पड़ने पर नीतीश हमारे लिए ऑलराउंडर की भूमिका निभाएंगे। कोहली की फॉर्म पर

पोंटिंग की टिप्पणी पर गंभीर ने कहा, पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना–देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में सोचना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले की चुनौतियों पर गंभीर ने कहा, तैयारी महत्वपूर्ण होगी। पहले टेस्ट के पहले दिन के लिए ये दस दिन बहुत महत्वपूर्ण होंगे। हमारा पूरा ध्यान अच्छा खेलने पर है और जीतने पर है।श रोहित के पहला टेस्ट नहीं खेलने पर कप्तान कौन होगा? इस सवाल के जवाब में गंभीर ने कहा, जसप्रीत बुमराह उप–कप्तान हैं। अगर रोहित चूक जाते हैं, तो बुमराह कप्तान होंगे। केएल राहुल की फॉर्म को लेकर पूछे गए सवालों पर गंभीर ने कहा, कितने देशों के पास केएल राहुल जैसे खिलाड़ी हैं? वह ओपनिंग कर सकते हैं, छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और विकेटकीपिंग भी कर सकते हैं। हमारे लिए उनका होना महत्वपूर्ण है। वह पहले भी यहां खेल चुके हैं और ऐसे में उनका अनुभव हमारे काम आएगा। गंभीर ने कहा, मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की फॉर्म को लेकर कोई चिंता नहीं है। ड्रेसिंग रूम में रनों की भूख मेरे लिए महत्वपूर्ण है और मुझे लगता है कि इन दोनों में रन बनाने को लेकर बहुत भूख है। हमारे पास कई अनुभवी खिलाड़ी हैं जो इन परिस्थितियों में खेल चुके हैं। ये दोनों युवा खिलाड़ियों की मदद करेंगे। ये सीरीज युवा खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण है। गंभीर ने नीतीश कुमार रेड्डी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की टीम में शामिल करने पर सवाल उठाने वालों को जवाब देते हुए कहा, नीतीश कुमार रेड्डी में क्षमता है और वह निश्चित रूप से भविष्य के लिए स्टार खिलाड़ियों में से एक हैं। हमने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुना है।

अब हम भी भारत के साथ कोई मैच नहीं खेलेंगे...

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर बीसीसीआई पर भड़के जावेद मियांदाद

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जावेद मियांदाद ने आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान नहीं भेजने के भारत सरकार के फैसले पर मायूसी जताई है। आईसीसी ने आधिकारिक ईमेल के जरिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को सूचित किया है कि भारतीय टीम चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं आएगी और बोर्ड ने ये जानकारी पाकिस्तान सरकार को भेज दी है। चौंपियंस ट्रॉफी को लेकर

भारत का ये रुख पाकिस्तान के कई पूर्व दिग्गजों को पसंद नहीं आया है। पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने भारत सरकार के रुख को मजाक करार दिया और कहा कि पाकिस्तान भारतीय क्रिकेट के बिना ने केवल जिंदा रह सकता, बल्कि फल–फूल भी सकता है। न्यूज एजेंसी ने मियांदाद के हवाले से कहा कि, ये मजाक है कि ऐसा हो रहा है। भले ही हम भारत के साथ बिल्कुल भी न खेलें, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट ने केवल जीवित रहेगा, बल्कि समृद्ध भी होगा, जैसा कि हमने अतीत में दिखाया है। मैं देखना चाहता हूं कि जब पाकिस्तान और भारत के मैच नहीं होते हैं, तो फिर आईसीसी कैसे पैसा कमाता है। जब से पाकिस्तान ने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी के अधिकार जीते हैं, तब से भारत की पाकिस्तान यात्रा करने की इच्छा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। उन्होंने पहले एशिया कप 2023 की मेजबानी की थी, लेकिन भारत की पाकिस्तान यात्रा करने की अनिच्छा के बाद टीम इंडिया के मैच श्रीलंका में कराए गए थे। हालांकि, इसके बावजूद पाकिस्तान ने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के लिए भारत का दौरा किया।

भारत ने आखिरी बार 2008 में एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था और मुंबई में हुए भीषण 26/11 आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई थी।

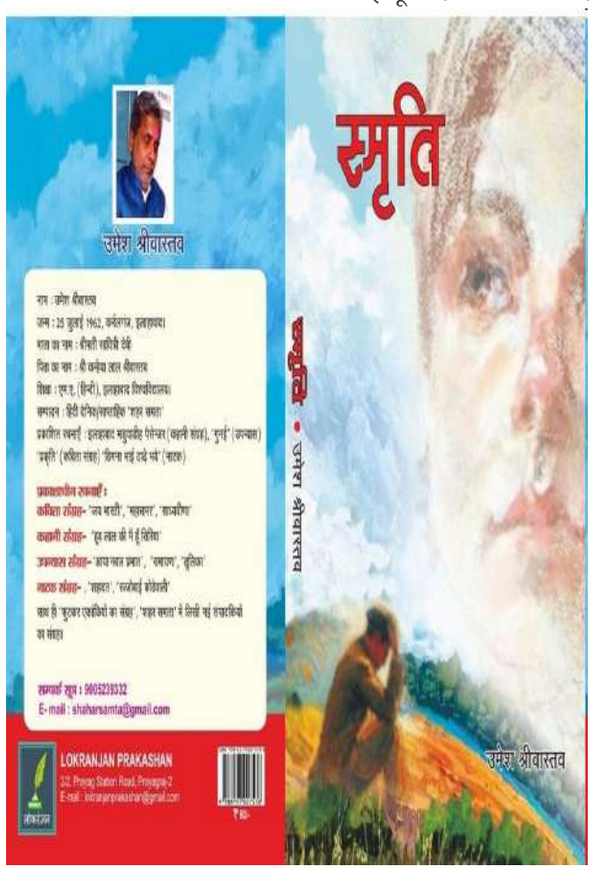

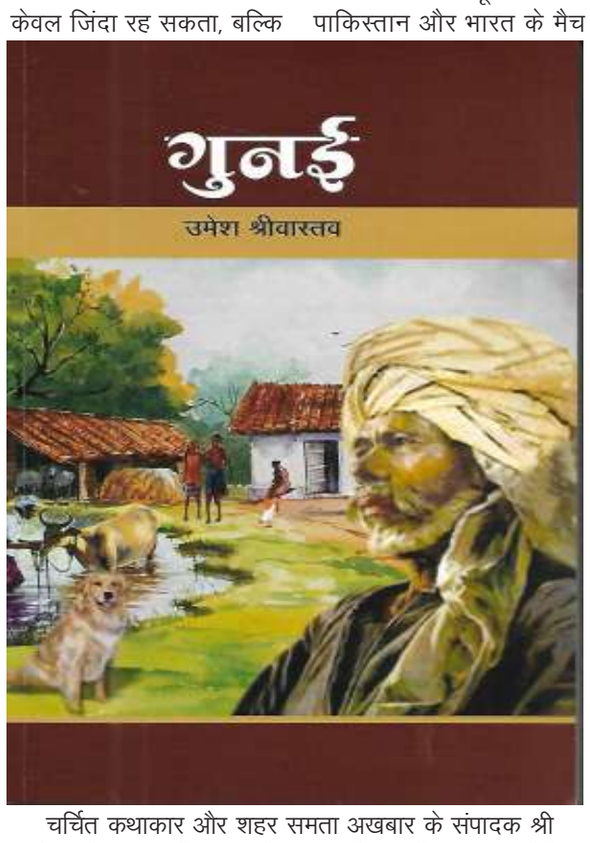

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

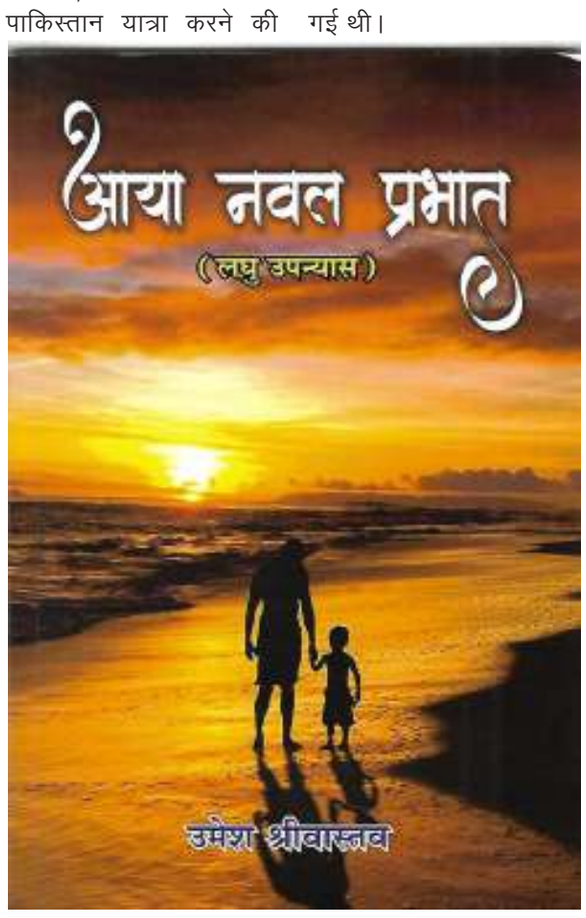

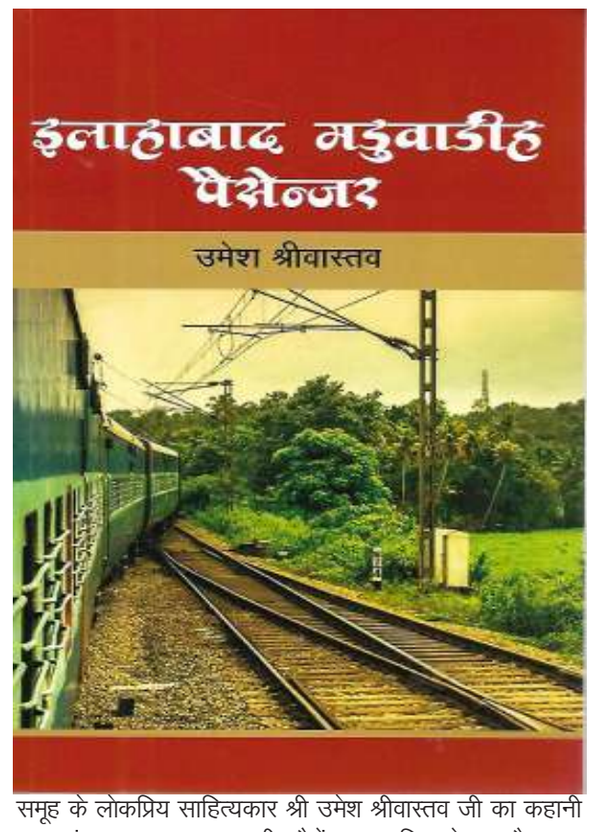

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

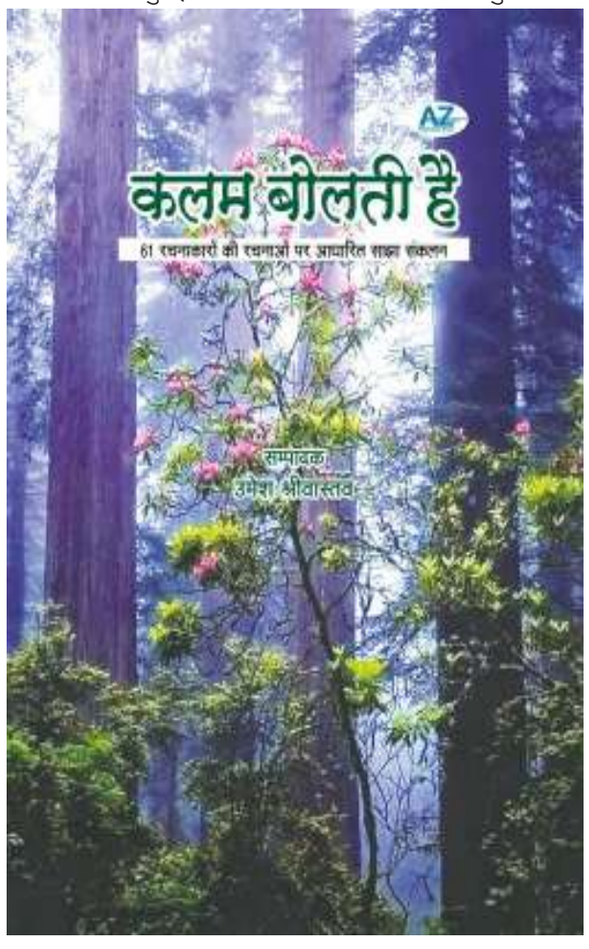

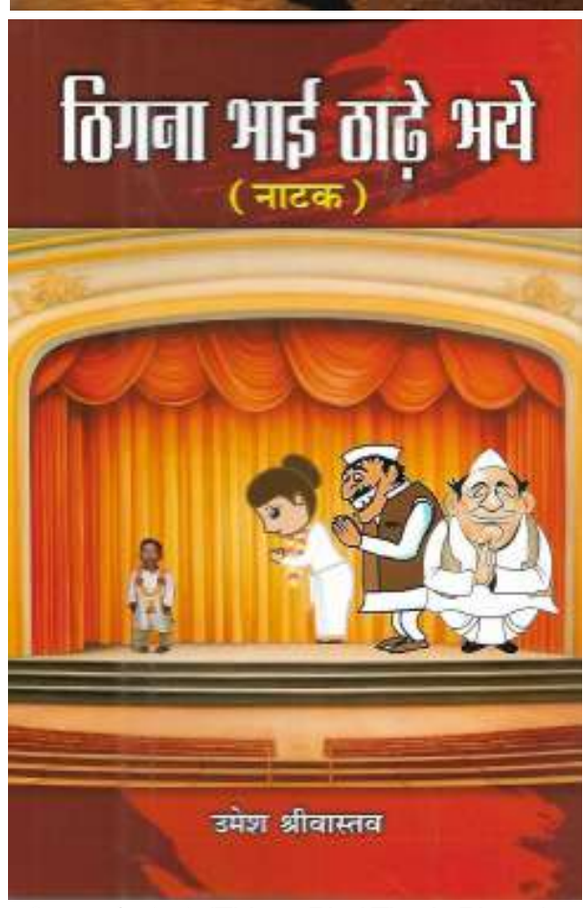

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

रामास्वामी के बयान पर भारत से लेकर यूएस तक छिड़ी बहस, हर बार हिंदू ही टारगेट पर क्यों?

हिंदू धर्म के अनुयायियों को लेकर विदेशों में एक अलग बहस छिड़ गई है। इस सबके बीच रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी और एक अमेरिकी नागरिक के बीच हालिया बातचीत को लेकर चर्चा हो रही है। जिसमें रामास्वामी ने हिंदू धर्म को लेकर विरोधी टिप्पणियों पर सवाल खड़े किए। अमेरिका के जॉर्जिया स्टेट में सीनेट का चुनाव लड़ रहे रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी की काफी चर्चा में है। हाल ही में रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी और एक अमेरिकी नागरिक के बीच हुई बहस में षहिंदू धर्म को दुष्ट और मूर्तिपूजक धर्मष करार दिए जाने पर विवेक रामास्वामी ने जोरदार प्रतिक्रिया दर्ज कराते हुए कहा कि हर बार हिंदुत्व ही निशाने पर क्यों? दरअसल ऐसी घटना अमेरिका में धार्मिक असहिष्णुता के प्रति विभिन्न संस्कृतियों को उजागर करती है, खासकर जब इसकी तुलना भारत से की जाती है। विरोधी पक्ष से हिंदु धर्म के खिलाफ

लगातार आक्रामक टिप्पणी के बावजूद रामास्वामी ने बातचीत को उग्र बनाने या कानूनी कार्रवाई की मांग करने के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से अपने धर्म का बचाव किया और इस अवसर को विश्व के लिए एक संदेश देने के रूप में इस्तेमाल किया जो हिंदू दर्शन में निहित गहन सहिष्णुता को रेखांकित करती है। पूरे अमेरिका में लंबे समय से कुछ कट्टरपंथी समूह गैर–अब्राहमी धर्मों, विशेष रूप से हिंदू धर्म, को निशाना बनाते रहे हैं, उन्हें ष्मूर्तिपूजकष् या अमेरिकी मूल्यों के खिलाफ करार देते रहे हैं। फिर भी, हिंदू धर्म, चाहे भारत में हो या विदेश में, कभी भी वैसा आक्रोश नहीं दिखाता जैसा कि इस्लाम या ईसाई धर्म पर किए गए हमलों पर देखा जाता है। इस बीच अमेरिका में रामास्वामी के एक बयान के बाद हिंदुओं को टारगेट करने के मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। हालांकि अमेरिका की एक प्रतिष्ठित न्यूज वेबसाइट द न्यूयॉर्क टाइम्स पर हाल ही में रामास्वामी को लेकर रिचर्ड फॉसेट की एक विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित हुई, जिसमें रामास्वामी को लेकर बड़ा दावा किया गया।

आखिर हर बार टारगेट पर हिंदू ही क्यों?

न्यू हैम्पशायर में एक मतदाता ने रामास्वामी के धर्म के बारे में पूछा, जिसके जवाब में अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के महत्व के बारे में पूछा गया। ये सवाल पिछले हफ्ते शनिवार को नेवादा में डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनावी अभियान के दौरान रामास्वामी से पूछे गए। इस दौरान उन्होंने यीशु मसीह के बारे में राय पूछे जाने पर कहा कि हिंदू धर्म में, यीशु ईश्वर के एक पुत्र हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म सभी को साथ लेकर चलने की बात करता है, लेकिन फिर भी दुनिया के कई देशों में लागातार हिंदुओं को टारगेट किया जाता रहा। दरअसल, लेबर डे वीकेंड पर न्यू हैम्पशायर में एक मतदाता ने रामास्वामी के धर्म के बारे में पूछा, जिसके जवाब में अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के महत्व के बारे में पूछा गया– मैं हिंदू हूं और मुझे इस पर गर्व है। मैं बिना किसी माफी के इसके लिए खड़ा हूं। मुझे लगता है कि मैं धार्मिक स्वतंत्रता के रक्षक के रूप में और भी ज्यादा आगे बढ़ पाउंगा।

समझिए कौन हैं विवेक रामास्वामी?

विवेक रामास्वामी का नाम यूएस में उस वक्त चर्चा में आया जब जॉर्जिया में 2020 के चुनाव नतीजों में उन्हें अवैध रूप से हस्तक्षेप का आरोपी माना गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अश्विन रामास्वामी उस समय लॉ स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे। वे अपने गृहनगर जॉन्स क्रीक के स्टेट सीनेटर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ पिछले साल आरोपित 18 लोगों में शामिल थे। इस घटना के बाद उन्होंने खुद चुनाव लड़ने का फैसला किया।

चुनावी अभियान के लिए जुटा चुके हैं 280 हजार डॉलर

रिपब्लिकन कैंडिडेट रामास्वामी ने चुनाव लड़ने के लिए साइबरसिक्योरिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी (ब्रै।) में अपनी नौकरी छोड़ दी। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा धन जुटाया और चुनावी अभियान के लिए 280 हजार डॉलर से अधिक एकत्र किए हैं। विवेक रामास्वामी के पास स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में बी.एस. और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर से जे.डी. की डिग्री है।

संक्षिप्त

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हिज्बुल्ला पर पेजर, वॉकी–टॉकी हमलों में इजराइल की भूमिका स्वीकार की

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहली बार स्वीकार किया कि सितंबर में हिज्बुल्ला को निशाना बनाकर किए गए पेजर और वॉकी–टॉकी हमलों के पीछे उनका देश था, जिनमें कम से कम 39 लोगों की मौत हो गयी तथा 3,000 से अधिक लोग घायल हो गए थे। स्थानीय मीडिया में आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी है। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' अखबार ने नेतन्याहू के हवाले से कहा, ''रक्षा प्रतिष्ठान में वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक क्षेत्र में उनके

समर्थकों के विरोध के बावजूद पेजर और हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला को खत्म करने का अभियान चलाया गया।'' हिब्रू मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, नेतन्याहू ने रविवार की साप्ताहिक मंत्रिमंडल बैठक के दौरान ये टिप्पणियां कीं। इजराइल ने अभी तक सार्वजनिक रूप से इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली थी लेकिन व्यापक अनुमान था कि सफलतापूर्वक अंजाम दिए गए इन जटिल हमलों के पीछे उसका हाथ है। इन हमलों ने दुनिया को स्तब्ध कर दिया था। लेबनान तथा सीरिया के कुछ हिस्सों में 16 सितंबर को विस्फोटक वाले हजारों पेजर फट गए थे जो हिज्बुल्ला के समर्थकों के पास थे। दुनियाभर के लोग पेजर विस्फोट की खबरों से उबर भी नहीं पाए थे कि एक दिन बाद 17 सितंबर को वॉकी–टॉकी में भी विस्फोट हुए, जिसने लेबनानी शिया मिलिशिया के खिलाफ युद्ध में इजराइल की खुफिया तैयारी के स्तर को लेकर दुनिया को चौंका दिया। नेतन्याहू के बयान को रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को हटाने तथा युद्ध की सफलता का श्रेय लेकर व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ाने के प्रधानमंत्री के प्रयासों के संदर्भ में समझा जा रहा है। गैलेंट को पांच नवंबर को रक्षा मंत्री के पद से हटा दिया गया था।

अवैध शरणार्थियों को भेजेंगे उनके देश, ट्रंप की सामूहिक पुनर्वास योजना को रामास्वामी ने दिया समर्थन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष भारतीय–अमेरिकी सहयोगी विवेक रामास्वामी ने अवैध अप्रवासियों के सामूहिक निर्वासन योजना के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करते समय कानून तोड़ा है, उन्हें यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है और उन्हें जाने की जरूरत है। उद्यमी से राजनेता बने रामास्वामी ने कहा कि क्या हमारे पास एक टूटी हुई कानूनी आव्रजन प्रणाली है? हाँ, हम करते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि पहला कदम कानून के शासन को बहाल करना होगा, इसे बहुत व्यावहारिक तरीके से करना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जो लोग आये हैं, उन्होंने देश में जड़ें नहीं जमायी हैं। जिन लोगों ने अपराध किया है उन्हें इस देश से बाहर होना चाहिए।श यानी लाखों की संख्या में. वह अकेला सबसे बड़ा सामूहिक निर्वासन होगा।

इसे सभी अवैध लोगों के लिए सरकारी सहायता समाप्त करने के साथ जोड़ दें। आप आत्म–निर्वासन देखते हैं। राष्ट्रपति चुनावों में कमला हैरिस की हार के कुछ दिनों बाद एक भारतीय अमेरिकी सांसद ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी को केवल लोगों की आर्थिक कठिनाइयों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सिलिकॉन वैली का प्रतिनिधित्व करने वाले रो खन्ना ने सीबीएस न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि हमें नए कारखानों के निर्माण करने, न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने में मदद करने, बच्चों की देखभाल तथा उनके मुद्दों से निपटने और इस बात पर जोर देने के लिए एक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिससे हमारी पार्टी की आर्थिक स्थिति बेहतर हो। खन्ना ने कहा कि हमारे पास पर्याप्त रूप से आकर्षक आर्थिक दृष्टिकोण नहीं था। डेमोक्रेटिक पार्टी का एक सरल लक्ष्य ये होना चाहिए कि अनेक अमेरिकियों की आर्थिक कठिनाइयों और संघर्षों का समाधान हो सके।

मध्य मेक्सिको के बार में बंदूकधारियों ने की गोलीबारी; 10 की मौत, सात घायल

मध्य मेक्सिको के एक बार में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह हमला शनिवार को क्वेरेटारो में हुआ। शहर के सार्वजनिक सुरक्षा प्रमुख जुआन लुइस फेरुस्का ऑर्टिज ने हमले और हताहतों की संख्या की पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि हमले के बाद कम से कम एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। बार में कैमरों के फुटेज सोशल नेटवर्क पर प्रसारित किए गए हैं। इनमें नजर आ रहा है कि चार लोगों का एक समूह बार में घुसा और उसने वहां बैठे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। वीडियो में लोग स्वयं को बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। क्वेरेटारो के गवर्नर मौरिसियो कुरी ने हमलावरों को न्याय के कठघरे में लाए जाने का संकल्प लिया और कहा कि वह मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

ट्रंप के जीतते ही शेख हसीना का बड़ा दांव, सड़कों पर उतरी आमह

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को गिरे हुए लगभग तीन महीने हो चुके हैं। लेकिन आज भी वहां के हालात कमोबेश वैसे ही हैं। पहले कट्टरपंथियों ने देशभर में बवाल किया। उसके बाद बीएमपी के हजारों कार्यकर्ताओं ने देश की राजधानी में रैली निकाली और नए सिरे से चुनाव कराने व त्वरित सुधारों की मांग की। शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग अंतरिम सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। देखा जाए तो बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही हलचल मची हुई है। ढाका में तो आवामी लीग के कार्यकर्ताओं व समर्थकों पर पुलिस ने सख्ती भी बरती है। बांग्लादेश की सेना ने उनके प्रदर्शन से पहले सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी

लिया है। आवामी लीग के कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बांग्लादेश की सेना–पुलिस स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों ने कई इलाकों में बड़ा जमावड़ा किया हुआ है। बीएनपी और जमात ने घोषणा की है कि वो आवामी लीग को प्रदर्शन की अनुमति नहीं देंगे। ढाका पुलिस ने उन्हें विरोध रैली आयोजित करने की अनुमति नहीं दी है। देशभर में सेना की 191 टुकड़ियां तैनात की गई है। वहीं इस बीच सरकार के विभिन्न हलकों ने चेतावनी भी दी है कि आवामी लीग को विरोध मार्च आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अवामी लीग को फासीवादी करार देते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी को नियोजित रैली आयोजित करने की अनुमति नहीं देगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि अंतरिम सरकार देश में किसी भी हिंसा या कानून व्यवस्था को तोड़ने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि अवामी लीग अपने मौजूदा स्वरूप में एक फासीवादी पार्टी है। ऐसा कोई रास्ता नहीं है कि इस फासीवादी पार्टी को बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति दी जाएगी। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने रैली का आयोजन किया और वह नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर त्वरित सुधार लाने और अगला राष्ट्रीय चुनाव कराने के लिए दबाव बना रही है।

रूस ने किसी भी फोन कॉल की बात से किया इनकार, ट्रंप–पुतिन की बातचीत का सच क्या है?

रूस ने अमेरिकी मीडिया की उन रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते अपनी चुनावी जीत के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मॉस्को में एक दैनिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि कोई बातचीत नहीं हुई। यह पूरी तरह से झूठ है, यह पूरी तरह से काल्पनिक है। वाशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि हाल में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने 70 से ज्यादा विश्व नेताओं से बात की है। इनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शामिल हैं। क्रेमलिन ने उन खबरों का खंडन किया कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की थी और कहा कि पुतिन के पास ट्रंप से बात करने की अभी तक कोई ठोस योजना नहीं है। वाशिंगटन पोस्ट ने सबसे पहले अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी थी कि यह कॉल हुई थी और कहा गया था कि ट्रंप ने पुतिन से कहा था कि उन्हें यूक्रेन युद्ध को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। बाद में समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भी अज्ञात स्रोत का हवाला देते हुए कॉल पर रिपोर्ट दी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा कि ये पूरी तरह से झूठ है। यह पूरी तरह से काल्पनिक है, यह सिर्फ गलत जानकारी है। दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। यह पूछे जाने पर कि क्या पुतिन की ट्रंप के साथ संपर्क की कोई योजना है, पेस्कोव ने कहा कि अभी तक कोई ठोस योजना नहीं है। इससे पहले, मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि ट्रम्प ने पुतिन को यूक्रेन में युद्ध न बढ़ाने की सलाह दी और उन्हें यूरोप में वाशिंगटन की बड़ी सैन्य उपस्थिति की याद दिलाई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

कनाडा में खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला और हिंदू मंदिर पर हमले का आरोपी इंद्रजी गोसाल गिरफ्तार

कनाडा में दो बड़ी गिरफ्तारियों की खबर है। एक गिरफ्तारी खालिस्तानी आतंकी की हुई है और दूसरी गिरफ्तारी हिंदू मंदिर पर हुए हमला मामले में की गयी है। मीडिया खबरों के मुताबिक भारत द्वारा आतंकवादी घोषित खालिस्तानी चरमपंथी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला को गोलीबारी की एक घटना के संबंध में कनाडा के ओंटारियो प्रांत में संभवतः गिरफ्तार कर लिया गया है। हम आपको बता दें कि गोलीबारी की यह घटना 28 अक्टूबर

को मिल्टन में हुई थी। हैल्टन क्षेत्रीय पुलिस सेवा (एचआरपीएस) ने एक बयान में 29 अक्टूबर को कहा था कि उसने एक जांच के बाद, दो लोगों को गोलीबारी के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों लोग एक अस्पताल गए थे और उनमें से एक गोली से जख्मी था, जिसे बाद में छुट्टी दे दी गई। एचआरपीएस ने उनकी पहचान का खुलासा नहीं किया और कहा कि दोनों आरोपियों को ''जमानत संबंधी सुनवाई तक हिरासत में रखा गया है।'' सूत्रों ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक के बारे में माना जा रहा है कि वह अर्श डल्ला है। डल्ला प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) से जुड़ा हुआ है और पिछले साल जून में मारे गए आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की ओर से आतंकी मॉड्यूल चलाता था। हाल में विदेश मंत्रालय ने अर्श डल्ला का नाम उन खालिस्तानी आतंकवादियों में शामिल किया था जिनके प्रत्यर्पण के लिए कनाडा से अनुरोध किया गया है। हैल्टन पुलिस ने कहा कि वह मिल्टन में ''गोलीबारी की घटना'' की सक्रियता से जांच कर रही है। बयान में कहा गया, ''28 अक्टूबर 2024 की सुबह गुएल्फ पुलिस ने एचआरपीएस से संपर्क किया, जब दो व्यक्ति वहां एक अस्पताल में आए थे। उनमें से एक का इलाज किया गया और अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दूसरे व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई थी।'' हैल्टन पुलिस ने एक बयान में कहा, ''एचआरपीएस मेजर क्राइम ब्यूरो अब जांच कर रहा है और दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हैल्टन हिल्स के 25 वर्षीय व्यक्ति और सरे बीसी के 28 वर्षीय व्यक्ति, दोनों पर जानबूझकर आग्नेयास्त्र चलाने का आरोप है।'' इससे पहले, रविवार को पंजाब पुलिस ने बताया कि मोहाली के खरड़ से डल्ला गिरोह के दो सदस्यों को एक सिख कार्यकर्ता की हत्या में कथित रूप से संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि यह गिरफ्तारी राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ, गैंगस्टर रोधी कार्य बल और फरीदकोट पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत की गयी। दोनों की पहचान बरनाला के भदौड़ निवासी अनमोलप्रीत सिंह उर्फ विशाल और खरड़ के निज्जर रोड निवासी नवजोत सिंह उर्फ नीटू के रूप में हुई। राज्य पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अर्श डल्ला ने नवजोत को गुरप्रीत सिंह हरि नौ को निशाना बनाने का काम सौंपा था, जो ''हरि नौ टॉक्स'' के नाम से यूट्यूब चौनल चलाता है। पंजाब में लक्षित हत्याओं, आतंकवाद के वित्तपोषण और जबरन वसूली में शामिल होने के आरोपी अर्श डल्ला को पिछले साल जनवरी में भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित किया था। वह राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के तहत विभिन्न मामलों में आरोपी है। खालिस्तानी अलगाववादियों को कनाडा के कथित समर्थन तथा निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के उसके आरोप के कारण भारत–कनाडा संबंध गंभीर रूप से तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने इस आरोप को खारिज कर दिया है तथा कनाडा पर आरोप लगाया है कि वह खालिस्तानी समर्थकों की गतिविधियों को रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर रहा है, जो भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करना चाहते हैं। इसके अलावा, कनाडा के ब्रैम्पटन स्थित एक हिंदू मंदिर में हिंसक प्रदर्शन के दौरान हमला करने के मामले में कनाडा पुलिस ने 35 वर्षीय एक स्थानीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। हम आपको याद दिला दें कि तीन नवंबर को ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में एक विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसके सोशल मीडिया पर वायरल अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारियों को खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े हुए देखा गया था। वीडियो में हाथापाई और लोगों को मंदिर के आस–पास एक–दूसरे पर डंडे से वार करते हुए भी देखा जा सकता है। एक बयान में कहा गया कि पील की क्षेत्रीय पुलिस ने मंदिर में प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प पर कार्रवाई की है। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान हुई कई घटनाओं की जांच शुरू कर दी है, जिनके वीडियो में यह देखा जा सकता है कि लोगों पर झंडों और लाठियों से हमले किये जा रहे हैं।

बाइडन को इस्तीफा देना चाहिए, हैरिस को अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनाना चाहिए : पूर्व सहयोगी

अमेरिका की निवर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के एक पूर्व कर्मचारी ने राष्ट्रपति जो बाइडन से इस्तीफा देने और हैरिस को देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनाने का आग्रह किया, भले ही यह थोड़े समय के लिए हो। उपराष्ट्रपति के पूर्व संचार निदेशक जमाल सिमंस ने रविवार को एक 'टॉक शो' के दौरान इसी तरह का सुझाव देने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा, ''जो बाइडन अद्भुत रहे हैं, लेकिन उन्हें एक आखिरी वादा पूरा करना चाहिए और परिवर्तन लाने वाला बनना चाहिए।'' 'सीएनएन' के ''सिचुएशन रूम'' में एक साक्षात्कार के दौरान सिमंस ने कहा, ''जो बाइडन एक असाधारण राष्ट्रपति रहे हैं, उन्होंने अपने बहुत से वादों को पूरा किया है। एक वादा बचा है जिसे वह परिवर्तनकारी राष्ट्रपति होने के नाते पूरा कर सकते हैं। वह अगले 30 दिनों में राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे सकते हैं और कमला हैरिस को अमेरिका का राष्ट्रपति बना सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इससे डोनाल्ड ट्रंप के लिए स्थिति बदल जाएगी।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।